शारदीय नवरात्रि की हार्दिक बधाई

# जनता यूनियन

झाँसी मंगलवार, 23 सितम्बर 2025 | वर्ष 18 अंक 13 | पृष्ठ 8 मूल्य ₹ 3.00

### नवरात्रि दूसरा दिन : ब्रह्मचारिणी

**दधाना करपद्माभ्यामक्षमालाकमण्डल।**
**देवी प्रसीदतु कयि ब्रह्मचारिण्यनुत्तमा।।**

माँ दुर्गा की नव शक्त्रिं का दूसरा स्वरूप ब्रह्मचारिणी का है। यहाँ 'ब्रह्म' शब्द का अर्थ तपस्या है। ब्रह्मचारिणी अर्थात तपकी चारिणी-तप का आचरण करने वाली कहा भी है- वेदस्यतत्त्वंतपो ब्रह्म-वेद, तत्त्व और तप 'ब्रह्म' शब्द के अर्थ हैं। ब्रह्मचारिणी देवी का स्वरूप पूर्ण ज्योतिर्मय एवं अत्यन्त भव्य है। इनके दाहिने हाथ में जप की माला एवं बायें हाथ में कमण्डल रहता है।

देश के नाम पीएम का खुला पत्र

# आत्मनिर्भरता का आधार बनेंगे जीएसटी सुधार : मोदी

**नई दिल्ल (जीएनएस)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार से लागू हुए अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों की एक बार फिर सराहना की है और कहा है कि ये सुधार बचत को बढ़ावा देंगे और समाज के हर वर्ग को सीधे तौर पर लाभान्वित करेंगे। देश के नाम एक खुले पत्र में, उन्होंने नवरात्रि के अवसर पर अपनी शुभकामनाएँ भी दीं और कहा कि इस त्योहार से भारत में जीएसटी बचत उत्सव की शुरुआत हो गई है। उन्होंने कहा कि ये सुधार देश के हर राज्य और क्षेत्र के विकास, निवेश को बढ़ावा देंगे और प्रगति को गति देंगे। अपने पत्र में, उन्होंने यह भी कहा कि अब केवल 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत के दो जीएसटी स्लैब होंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि खाना-पीना, दवाइयाँ, साबुन, टूथपेस्ट, बीमा जैसी रोज़मर्रा की ज़रूरी चीज़ें और कई अन्य चीज़ें अब या तो कर-मुक्त होंगी या सबसे कम 5त्र कर स्लैब में आ जाएँगी। जिन वस्तुओं पर पहले 12त्र कर लगता था, वे लगभग पूरी तरह से 5त्र कर स्लैब में आ गई हैं। उन्होंने आगे कहा, यह देखकर बहुत खुशी हो रही है कि कई दुकानदार और व्यापारी तब और अब के बोर्ड लगा रहे हैं, जो सुधारों से पहले और बाद के करों को दर्शाते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार के सत्ता में आने के बाद से 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं, जो अब एक आकांक्षी नव-मध्यम वर्ग बन गए हैं। उन्होंने कहा कि आयकर में कटौती और अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों से लोगों को 2.5 लाख करोड़ रुपये की बचत करने में मदद मिलेगी, जिससे अब देशवासियों के लिए अपनी आकांक्षाओं को पूरा करना आसान हो जाएगा। जीएसटी के लिए अपनी सरकार की सराहना करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) ने देश को आर्थिक रूप से एकजुट किया है, जिससे एकरूपता और राहत आई है। उन्होंने कहा कि इन सुधारों ने प्रणाली को सरल बनाया है और दरों को कम किया है, जिससे लोगों को अधिक बचत करने में मदद मिली है।

उन्होंने कहा, हमारे छोटे उद्योगों, दुकानदारों, व्यापारियों, उद्यमियों और एमएसएमई को भी व्यापार करने में आसानी और अनुपालन में आसानी होगी।

## त्रिपुरेश्वरी मंदिर से अरुणाचल प्रदेश की बिजली परियोजनाओं तक, पूर्वोत्तर को मोदी के दौरे से मिली नई ऊर्जा

**त्रिपुरा (जीएनएस)।** पूर्वोत्तर भारत लंबे समय तक देश की राजनीतिक और विकासात्मक मुख्यधारा से दूरी का अनुभव करता रहा है। लेकिन हाल के वर्षों में इस क्षेत्र की पहचान बदल रही है और इस बदलाव की धुरी है प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विशेष रणनीति। उनकी त्रिपुरा और अरुणाचल प्रदेश की आज की यात्राएं केवल कार्यक्रम भर नहीं थीं, बल्कि पूर्वोत्तर की नई दिशा और दशा का संदेश थीं। हम आपको बता दें कि त्रिपुरा के गोमती ज़िले में प्रधानमंत्री ने 500 वर्ष पुराने त्रिपुरेश्वरी मंदिर में पूजा-अर्चना की। गर्मी के बीच, प्रधानमंत्री की एक झलक पाने के लिए हजारों लोग मंदिर के बाहर जमा हुए थे। पांच सौ वर्ष से भी अधिक पुराना यह मंदिर 51 शक्तिपीठों में से एक है। इस मंदिर का केंद्र सरकार की 'प्रसाद' या पीआरएएसएडी (तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक संवर्द्धन अभियान) योजना के तहत 52 करोड़ रुपये की लागत से जीर्णोद्धार किया गया है। हम आपको बता दें कि इस मंदिर का निर्माण महाराजा धन्य माणिक्य ने 1501 में करवाया था। केंद्र सरकार की योजना के तहत 52 करोड़ रुपये की लागत से हुए जीर्णोद्धार ने इस शक्ति पीठ को नई ऊर्जा दी है। यह केवल एक धार्मिक स्थल का नवीनीकरण नहीं है, बल्कि सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने और स्थानीय रोज़गार सृजन का ठोस प्रयास है। यह कदम बताता है कि मोदी सरकार विकास की धारा में स्थानीय आस्था और परंपरा को बराबर का स्थान देना चाहती है।

## बांग्लादेश में दुर्गा पूजा से पहले मंदिर में तोड़-फोड़, लूट के बाद तोड़ी 7 मूर्तियां

**ढाका (जीएनएस)।** बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों पर हमलों की बढ़ती संख्या के बीच, स्थानीय मीडिया ने रविवार को बताया कि जमालपुर ज़िले के सरिषाबाड़ी उपजिला स्थित एक हिंदू मंदिर में एक बदमाश ने सात मूर्तियों को क्षतिग्रस्त कर दिया। यह घटना नगर पालिका के तारयापारा मंदिर में हुई, जो बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के सबसे बड़े धार्मिक त्योहार दुर्गा पूजा से एक हफ्ते पहले हुआ दूसरा हमला है। इस घटना की पुष्टि करते हुए, सरिषाबाड़ी पुलिस थाने के प्रभारी रशीदुल हसन ने कहा कि सूचना मिलते ही हम घटनास्थल पर पहुँचे। घटना के सिलसिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।

बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों पर हमले लगातार जारी है। यहां के जमालपुर जिले के सरिशाबारी उपजिला में एक हिंदू मंदिर में दुर्गोत्सव से पहले बनाई गई सात मूर्तियों को तोड़ दिया गया। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। बताया गया है कि यह घटना शनिवार रात नगर पालिका के तारयापारा मंदिर में हुई। बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के सबसे बड़े धार्मिक उत्सव, दुर्गा पूजा उत्सव से एक हफ्ते पहले इस तरह का ये दूसरा हमला रिपोर्ट हुआ है। उधर, इस घटना की पुष्टि करते हुए, सरिशाबारी पुलिस थाने के प्रभारी रशीदुल हसन ने कहा, सूचना मिलने के बाद हम मौके पर पहुंचे। घटना के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

## अपने ही देश पर पाकिस्तान की फौज ने कर दी एयरस्ट्राइक, बच्चे-महिला समेत 30 नागरिकों की ले ली जान

**खैबर पख्तूनख्वा (जीएनएस)।** खैबर पख्तूनख्वा की तिराह घाटी में पाकिस्तानी सेना द्वारा टीटीपी ठिकानों को निशाना बनाए जाने के बाद कम से कम 30 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर आम नागरिक थे। हालाँकि, रिपोर्टों के अनुसार, मृतकों में ज़्यादातर आम नागरिक थे। बचाव अभियान अभी भी जारी है, इसलिए मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए वीडियो में घायल बच्चों को अस्थायी बिस्तरों पर लेटे हुए दिखाया गया है, जबकि आसपास के स्थानीय लोग नुकसान का आकलन कर रहे हैं। रिपोर्टों के अनुसार, हताहतों में महिलाएँ और बच्चे भी शामिल हैं।

## नामुमकिन को मुमकिन बनाने का माद्दा रखते हैं प्रधानमंत्री मोदी : उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन

**नई दिल्ली (जीएनएस)।** उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी नेता शी जिनपिंग सहित दुनिया के तमाम नेताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबंधों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मोदी नामुमकिन को मुमकिन बना सकते हैं। प्रधानमंत्री के भाषणों की दो पुस्तकों के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिका द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने के बावजूद, ट्रंप ने हमेशा मोदी को अपना अच्छा दोस्त बताया है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि इसी तरह ''अंतरराष्ट्रीय राजनीति में मतभेदों के बावजूद'' चीनी राष्ट्रपति के भी प्रधानमंत्री मोदी के साथ अच्छे संबंध हैं। उपराष्ट्रपति का पदभार ग्रहण करने के बाद अपने पहले सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राधाकृष्णन ने कहा, ''अमेरिका ने भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाया है, लेकिन ट्रंप हमेशा कहते हैं कि मोदी जी मेरे अच्छे दोस्त हैं। ऐसी स्थिति में भी उन्होंने कभी यह नहीं कहा कि मैं मोदी के खिलाफ हूं।

### सार संक्षेप

### 38 साल पुरानी परमाणु संधि तोड़ने के बाद अब रूस ने किया ऐसा ऐलान, ट्रंप भी हो जाएंगे खुश

**मास्को (जीएनएस)।** रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को कहा कि अमेरिका के साथ अपनी परमाणु संधि की समाप्ति के बाद भी मास्को अगले एक साल तक परमाणु हथियार सीमाओं का पालन करता रहेगा। न्यू स्टार्ट संधि दोनों देशों के बीच अंतिम सक्रिय हथियार नियंत्रण समझौता है। रूसी सुरक्षा परिषद को संबोधित करते हुए पुतिन ने चेतावनी दी कि इस समझौते को समाप्त करने से वैश्विक स्थिरता को नुकसान पहुँच सकता है। उन्होंने आगे कहा कि रूस उम्मीद करता है कि वाशिंगटन भी ऐसा ही करेगा और संधि की सीमाओं का सम्मान करेगा।

### सीआईएसएफ के हाथों में नोएडा एयरपोर्ट की सुरक्षा, 120 जवान किए गए तैनात

**नोयडा (जीएनएस)।** केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने सोमवार को नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की सुरक्षा की कमान संभाल ली। 30 अक्टूबर को उद्घाटन होने वाले इस हवाई अड्डे की सुरक्षा के लिए सीआईएसएफ के 120 जवान तैनात किए गए हैं। यह ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा भारत का 70वाँ हवाई अड्डा है। इसके अलावा, यह दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के बाद राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) का दूसरा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा होगा। 22 सितंबर 2025 को, छ्ठ्ठस्स्न ने नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (डीएक्सएन) की सुरक्षा का कार्यभार संभाल लिया।

### संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंधों की तलवार के बीच, रूस-ईरान का 8 परमाणु संयंत्रों पर बड़ा समझौता

**मास्को (जीएनएस)।** ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन के प्रमुख मोहम्मद इस्लामी वार्ता के लिए मास्को पहुँच गए हैं, ईरानी सरकारी मीडिया ने सोमवार को बताया। संयुक्त राष्ट्र इस बात पर विचार कर रहा है कि तेहरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर उस पर फिर से प्रतिबंध लगाए जाएँ या नहीं। 15 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने तेहरान पर से प्रतिबंध स्थायी रूप से हटाने के प्रस्ताव के मसौदे को अस्वीकार कर दिया।

### मोरक्को रक्षा मंत्री संग डिफेंस सेक्टर में सहयोग के लिए एमओयू पर साइन

## आतंकवाद निरोध, समुद्री सुरक्षा पर दोनों पक्ष सहमत

**नई दिल्ली (जीएनएस)।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मोरक्को के रक्षा मंत्री अब्देलतीफ लौदियी ने आज रबात में रक्षा सहयोग पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। दोनों पक्ष आतंकवाद निरोध, समुद्री सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, शांति स्थापना, सैन्य चिकित्सा, प्रशिक्षण और उद्योग साझेदारी में सहयोग बढ़ाने के लिए एक व्यापक रोडमैप पर सहमत हुए। दोनों नेताओं ने रक्षा उद्योग में सहयोग बढ़ाने का निर्णय लिया और आतंकवाद-निरोध, समुद्री सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, शांति अभियानों, सैन्य चिकित्सा और विशेषज्ञों के आदान-प्रदान को शामिल करते हुए एक व्यापक रोडमैप पर सहमति व्यक्त की। दोनों मंत्रियों के बीच हुई चर्चाओं में भारत और मोरक्को के बीच दीर्घकालिक मैत्री को और मज़बूत करने के साझा संकल्प को प्रतिबिंबित किया गया।

इन पहलों को गति देने के लिए, रक्षा मंत्री ने रबात स्थित भारतीय दूतावास में एक नए रक्षा विंग के उद्घाटन की घोषणा की। उन्होंने भारत के रक्षा उद्योग की परिपक्वता और ड्रोन तथा ड्रोन-रोधी तकनीकों सहित इसकी अत्याधुनिक क्षमताओं पर भी प्रकाश डाला और मोरक्को पक्ष को आश्वस्त किया कि भारतीय कंपनियाँ मोरक्को के रक्षा बलों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अच्छी स्थिति में हैं। दोनों मंत्रियों ने सशस्त्र बलों के बीच आदान-प्रदान बढ़ाने, प्रशिक्षण कार्यक्रमों को सुगम बनाने और रक्षा क्षेत्र में सह-विकास एवं सह-उत्पादन के अवसरों की खोज के महत्व पर बल दिया।

### नवरात्रि पर महिलाओं को बड़ी सौगात!

## 25 लाख नए मुफ्त उज्ज्वला एलपीजी कनेक्शन

**नई दिल्ली (जीएनएस)।** केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को घोषणा की कि केंद्र सरकार नवरात्रि के अवसर पर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के तहत 25 लाख मुफ्त एलपीजी कनेक्शन वितरित करेगी। एक पोस्ट साझा करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इससे एलपीजी कनेक्शनों की कुल संख्या 10.60 करोड़ हो जाएगी। हरदीप पुरी ने लिखा कि उज्ज्वला परिवारों का विस्तार। नारी शक्ति को एक महान उपहार! नवरात्रि की शुभ शुरुआत के साथ, 25 लाख नए मुफ्त पीएम उज्ज्वला कनेक्शन का उपहार इस बात का एक और प्रमाण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी देवी दुर्गा जी की तरह महिलाओं का सम्मान करते हैं। यह निर्णय माताओं और बहनों के सम्मान और सशक्तिकरण के हमारे संकल्प को और मजबूत करता है।

मंत्री ने बताया कि सरकार 25 लाख नए एलपीजी कनेक्शनों में से प्रत्येक पर 2050 रुपये खर्च करेगी। उन्होंने आगे कहा कि अब उज्ज्वला योजना के तहत परिवारों की संख्या बढ़कर 10.60 करोड़ हो जाएगी। भारत सरकार प्रत्येक कनेक्शन पर 2,050 रुपये खर्च करेगी, जिससे लाभार्थियों को मुफ़्त रसोई गैस सिलेंडर के साथ-साथ गैस चूल्हा, रेगुलेटर आदि भी मुफ़्त मिल सकेंगे। इस योजना के लिए प्रधानमंत्री की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि उनके निर्णयों में शक्ति की भावना झलकती है।

# महामहिम के आगमन की तैयारियों में जुटा जिला प्रशासन

## ■ 25 सितंबर को स्पेशल ट्रेन से मथुरा आएंगे राष्ट्रपति मुर्मू

**जनता यूनियन मथुरा ।** महामहिम राष्ट्रपति के आगमन की तैयारियों में प्रशासन जुटा हुआ है। महानगर के अंतापाड़ा क्षेत्र स्थित श्रीकुब्जा कृष्ण मंदिर, श्रीकृष्ण जन्मस्थान सहित जहां जहां महामहिम का आगमन होगा उन सभी स्थानों और मार्गो का सघन निरीक्षण कर तैयारियों को अंतिमरूप दिया जा रहा है। मंडलायुक्त शैलेन्द्र सिंह, डीआईजी शैलेश कुमार पांडेय, जिलाधिकारी सीपी सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार सहित दूसरे आलाधिकारी लगातार तैयारियों का जायजा ले रहे हैं और अधीनस्थों को आवश्यक निर्देश दे रहे हैं। अधिकारियों ने संभावित कार्यक्रम के दृष्टिगत श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर का निरीक्षण किया। होली गेट क्षेत्र स्थित श्री कुब्जा कृष्ण मंदिर का भी निरीक्षण किया। इसी दृष्टिगत नगर आयुक्त जग प्रवेश ने सोमवार को महानगर के अंतापाड़ा क्षेत्र स्थित श्रीकुब्जा कृष्ण मंदिर के आसपास क्षेत्र एवं मार्ग का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मंदिर से जुड़े मार्ग एवं मंदिर क्षेत्र की व्यवस्थाओं का विस्तार से जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश में कहा कि जलभराव की रोकथाम रोकने के लिए महाप्रबंधक जल मार्ग में किसी भी स्थान पर वॉटर लॉगिंग की स्थिति न उत्पन्न हो। इसके लिए कार्य योजना को अमली जामा पहनाये। अधिशासी अभियंता निर्माण को निर्देश दिए गए कि मार्ग पर इंटरलॉकिंग एवं आवश्यक पैचवर्क सहित सभी निर्माण संबंधी कार्य शीघ्र पूर्ण किए जाए। उच्च कोटि की सफाई व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए गए। इस दौरान अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह महाप्रबंधक जल मोहम्मद अनवर ख्वाजा अधिशासी अभियंता निर्माण अमरेंद्र गौतम आदि कर्मचारी उपस्थित रहे।

## जनपद-मथुरा के सम्पूर्ण क्षेत्र को नो-फ्लाईग जोन घोषित

**जनता यूनियन मथुरा ।** जिला मजिस्ट्रेट चन्द्र प्रकाश सिंह ने अवगत कराया है कि भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी का दिनांक 25.09.2025 को जनपद मथुरा में नई दिल्ली से स्पेशल ट्रेन द्वारा वृन्दावन रेलवे स्टेशन छटीकरा आगमन के उपरान्त जादौन कार पार्किंग से श्री बाँके बिहारी मन्दिर वृन्दावन दर्शन/पूजन से निधिवन भ्रमण से पुनः जादौन कार पार्किंग से कार्यक्रम सुदामा कुटी से होटल रेडीसन विश्राम से कुब्जाकृष्ण मन्दिर म0नं0 1698 होलीगेट टैंक चौराहा कृष्णापुरी अन्तापाड़ा मथुरा दर्शन/पूजन से श्रीकृष्ण जन्मभूमि मन्दिर मथुरा दर्शन/पूजन से मथुरा जंक्शन से स्पेशल ट्रेन द्वारा दिल्ली जाने का कार्यक्रम प्रस्तावित है। उपरोक्त अतिविशिष्ट महानुभाव को विभिन्न आतंकवादी संगठन, देश विरोधी शक्तियों से जीवन भय है तथा विभिन्न विरोधी राजनैतिक विचारधारा/समूहों द्वारा गुब्बारों, ड्रोन व पतंग आदि के माध्यम से विरोध किये जाने की सम्भावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। दिनांक 23.09.2025 से उक्त मा0 महानुभाव के प्रस्थान तक सम्पूर्ण जनपद को नो-फ्लाईग जोन घोषित किया जाता है। उपरोक्तानुसार जनपद-मथुरा के सम्पूर्ण क्षेत्र को नो-फ्लाईग जोन घोषित किया जाता है। यह आदेश दिनांक 23.09.2025 को प्रातः 10.00 बजे से दिनांक 25.09.2025 को रात्रि 21.00 बजे तक के लिए प्रभावी रहेगा।

# त्योहार पर साफ सुथरे नजर आएंगे गांव

■ त्योहारी सीजन में पंचायत विभाग गांवों में चलाएगा सफाई अभियान

■ सभी पंचायतों में सड़क किनारे 5 से 31 अक्टूबर तक चलेगा अभियान

**जनता यूनियन मथुरा ।** जिले का पंचायत राज विभाग जनपद की सभी 495 ग्राम पंचायतों में पांच से 31 अक्टूबर तक संचारी रोग नियंत्रण अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान ग्राम पंचायतें आगामी त्योहारों के मौसम को देखते हुए उन्मुखीकरण, नाली सफाई, झाडियों की कटाई, जल जमाव को दूर करने के कार्य करेंगी। ताकि ग्राम पंचायतें स्वच्छ दिखाई दें। जिला पंचायत राज अधिकारी धनंजय जायसवाल ने बताया कि जनपद में वर्तमान में नवरात्र महोत्सव आज से प्रारंभ हो गया है। अक्टूबर माह में दशहरा, दीपावली, छठ पूजा के त्योहारों का आयोजन होगा। जिनको देखते हुए शासन ने सभी ब्लाकों के खंड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि पांच से 31 अक्टूबर तक संचारी रोग नियंत्रण अभियान चलाने का निर्देश दिये गये हैं। डीपीआरओ ने बताया कि जुलाई माह में चलाए गए अभियान में विभिन्न विकास खंडों के खराब प्रदर्शन को उजागर किया गया है। जिसमें विशेष रूप से झाड़ियों की कटाई, नालियों की सफाई और जलभराव रोकने जैसे क्षेत्रों में, राज्य के औसत की तुलना में बहुत कम थी। डीपीआरओ ने अब अक्टूबर माह में दशहरा, दिपावली, छठ पूजा आदि के त्योहारों के दौरान ग्राम पंचायतों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाने की आवश्यकता पर बल दिया गया है। उन्होंने कहा है कि अभियान में 100 प्रतिशत फीडबैक प्राप्त न होने पर सफाई कर्मचारियों और संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की साथ ही कहा है कि गांवों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए ई रक्शा का उपयोग करके घर घर जाकर कचरा संग्रहण का कार्य किया जाएगा।

## न्यूज ब्रीफ

### बलदेव में अग्र ध्वजारोहण के साथ अग्रसेन जयंती महोत्सव का शुभारम्भ

**जनता यूनियन मथुरा ।** अग्रवाल समाज सेवा समिति के सभी पदा अधिकारी व सभी अग्र बन्धु ने रीढ़ा रोड पर स्थित अग्रवाल धर्मशाला में अग्रसेन महाराज व लक्ष्मी माता जी का हवन पूजन कर अग्रसेन जी महाराज व लक्ष्मी माता जी की छवि पर माल्यार्पण व दिप प्रज्जल किया। इसी के साथ बलदेव कस्बा में होने वाले अग्रसेन महोत्सव का शुभारम्भ हो गया। बलदेव में अग्रवाल समाज सेवा समिति द्वारा अग्रसेन भवन( रीढ़ा मार्ग) पर सोमवार को सुबह 10 बजे अग्र ध्वजारोहण, दीप प्रज्वलन एवं हवन पूजन कर के महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव आगाज किया गया। इसके पश्चात अग्रवाल समाज सेवा समिति के पूर्व अध्यक्ष ओमप्रकाश अग्रवाल की अध्यक्षता में विभिन्न अग्र बंधुओं समाज के हित में अपने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि महाराजा अग्रसेन एक पौराणिक कर्मयोगी लोकनायक, समाजवाद के प्रणेता, युग पुरुष, तपस्वी, राम राज्य के समर्थक एवं महादानी थे। इनका जन्म द्वापर युग के अंत व कलयुग के प्रारंभ में हुआ था। वे भगवान श्री कृष्ण के समकालीन थे। महाराजा अग्रसेन का जन्म अश्विन शुक्ल प्रतिपदा को हुआ था, जिसे अग्रसेन जयंती के रूप में मनाया जाता है। नवरात्रि के प्रथम दिवस को अग्रसेन महाराज जयंती के रूप में मनाया जाता हैं। अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में विविध कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे।

### बच्चों की शिक्षा को प्राथमिकता देने वाली माताओं का संकल्प

**जनता यूनियन मथुरा ।** गरीबी और अभाव के बावजूद बच्चों की शिक्षा को प्राथमिकता देने वाली माताओं को सम्मानित करने के लिए जस्टिस फॉर चिल्ड्रन स्ट्रीट स्कूल नि:शुल्क शिक्षा केन्द्रों द्वारा वृहद सम्मान समारोह एवं सहभोज का आयोजन किया गया। सैकड़ों माताएँ इस कार्यक्रम में शामिल हुईं। उन्हें सम्मानित किया गया। माताओं ने अपने बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने में जो साहसिक प्रयास किए हैं, वह समाज के लिए प्रेरणास्पद हैं। संस्था के संस्थापक सतीश चंद्र शर्मा ने कहा कि आज ये माताएं अपने बच्चों के भविष्य के लिए संघर्ष कर रही हैं। इनकी मेहनत समाज में अज्ञानता और गरीबी के अंधेरे को मिटाकर ज्ञान और जागरूकता का दीप जलाएगी। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने जस्टिस फॉर चिल्ड्रन स्ट्रीट स्कूल नि:शुल्क केन्द्रों द्वारा झुग्गी झोपड़ियों में नि:शुल्क शिक्षा की इस पहल की सराहना की और व्यापारियों तथा समाज के सभी वर्गों से बच्चों की शिक्षा के लिए सहयोग की अपील की। झुग्गी झोपड़ियों में रहने वाली माताओं को शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक करना। बच्चों की नि:शुल्क शिक्षा की ओर समाज का ध्यान आकर्षित करना। माताओं के संघर्ष और योगदान को मान्यता देना। समाज में शिक्षा के प्रति सकारात्मक संदेश फैलाना इस कार्यक्रम का मुख्य संदेश शिक्षा ही गरीबी और अज्ञानता को मिटाने का सबसे बड़ा हथियार है, यही संदेश है। स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत आज प्राथमिक विद्यालय बलरामपुर में हाथ-धुलाई दिवस मनाया गया, जिसमें शिक्षकों ने छात्रों को हाथों की सफाई के फायदे बताए व स्वच्छता का महत्व बताते हुए साबुन से हाथ धोने को जागरूक किया गया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक डॉ जगदीश पाठक ने बताया कि इस दिन को मनाने का उद्देश्य बीमारियों को रोकने के एक प्रभावी और किफायती तरीके के रूप में साबुन से हाथ धोने के महत्व के बारे में जागरूकता और समझ बढ़ाना है व स्वच्छ हाथों की आदत को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। विशेष रूप से शौचालय जाने के बाद, खाने से पहले और बाद में, और छींकने या खांसने के बाद, क्योंकि स्वच्छ हाथ ही एक स्वस्थ जीवन की कुंजी होते हैं। उन्होंने बताया कि हाथ धुलाई दिवस एक राष्ट्रीय कार्यकम है जिससे कि छात्रों में बीमारियों से बचने के लिए एक सरल, प्रभावी और किफायती तरीके के रूप में साबुन से हाथ धोने की आवश्यकता के बारे में जागरूकता और समझ पैदा की जा सके। इस अवसर पर डॉ जगदीश पाठक, बिंदु शर्मा, अचल कुमार और पूजा की उपस्थिति मुख्य रही।

# प्रीपेड मीटर: अधिकारी गिना रहे खूबी, कारोबारी परेशान

## वृंदावन में प्रीपेड मीटर के विरोध में व्यापारियों का प्रदर्शन

**जनता यूनियन मथुरा ।** विद्युत विभाग की ओर से प्रथम चरण में मथुरा में दो लाख उपभोक्ताओं के यहां प्रीपेड मीटर जिसे स्मार्ट मीटर भी कहा जा रहा है लगाने का लक्ष्य तय किया गया है। विभाग लक्ष्य हासिल करने के करीब है। नए कनेक्शन पर भी अब सिर्फ स्मार्ट मीटर ही लगेगा। दूसरी ओर व्यापारी और कारोबारी सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना का लगातार विरोध कर रहे हैं। सोमवार को मथुरा के वृंदावन में व्यापारियों ने पैदल मार्च किया। मार्च करते हुए व्यापारी बिजली घर तक पहुंचे और पागल बाबा बिजली घर पर जमकर नारेबाजी की। यहां उन्हें कोई अधिकारी नहीं मिला। सोमवार को व्यापारी नगर निगम के चुंगी चौराहा पर एकत्रित हुए। जहां से रंग जी बिजली घर तक पैदल मार्च किया। हाथों में बैनर लिए प्रदर्शन करते हुए लोग रंग जी बिजली घर पहुंचे जहां जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन का नेतृत्व व्यापारी नेता धनेंद्र अग्रवाल बॉबी कर रहे थे। उन्हों ने कहा कि स्मार्ट मीटर लगाये जाने की प्रक्रियाओं की शिकायतें आ रही है। बिना किसी पूर्व सूचना के उपभोक्ता की बिना सहमति से मीटर जबरन बदले जा रहे है जिससे जनता में नाराजगी और अविश्वास का वातावरण बन रहा है। उभोक्ताओं को मिल रहे बिलों में अप्रत्याशित ढंग से वृद्धि हो रही है। शिकायत यह है कि यह मीटर तेज चल रहे हैं।

धनेंद्र अग्रवाल ने कहा कि विभाग की ओर से महीनों तक उसको कोई बिल नहीं मिल पाता है फिर अचानक से उसको कई महीनों का लाखों का बिल थमा दिया जा रहा है। बिजली उपभोक्ताओं पर 6 गुना अधिक बोझ पड़ने वाला है। सरकार के इस फैसले के खिलाफ जनता सडक पर उतर कर आंदोलन करेगी। दूसरी ओर विद्युत विभाग के अधिकारी लगातार प्रीपेड मीटर की खूबी गिना रहे हैं और बता रहे है कि मीटर लगने के बाद किस तरह से उपभोक्ता को लाभ होगा और किसी भी कर्मचारी और अधिकारी के शोषण वह बच सकेगा।

# सब्जियों की अगेती खेती से मालामाल होंगे किसान

**अगरयाला में उद्यान विभाग की हाईटेक नर्सरी शुरू**

**जनता यूनियन मथुरा ।** जिला उद्यान अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि चौमुहां ब्लॉक के ग्राम पंचायत अगरयाला में भारत सरकार की मनरेगा योजना के तहत बनाई गई हाईटेक नर्सरी का संचालन प्रारम्भ हो गया है। इसमें उच्च गुणवत्तायुक्त सब्जियों की पौध किसानों के लिए तैयार की गई है। यह पौध उच्च गुणवत्तायुक्त, स्वस्थ एवं रोग रहित सब्जियों की पौध तैयार की जा रही है। इसमें कोकोपिट, वर्मीकुलाईट तथा परलाईट के मिश्रण में पौध तैयार की जाती है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में हाईटेक पौधशाला में टमाटर की प्रजाति अभिलाष (सेमिनिस), एनएस-5013 (नामधारी), बैंगन नवकिरन (सनग्रो), फूलगोभी एनएस-1118 (नामधारी), सरिता (नोबेल सीड), पत्तागोभी स्मिता (एनएच नोंग्वू सीड ),शिमला मिर्च - इन्टूडर (सिंजेन्टा), पपीता रेडलेडी (नोन-यू सीड ) की पौध तैयार हैं। डीएचओ ने बताया कि जो किसान विपरीत मौसम के कारण खेत में पौध तैयार नहीं कर पाएं अथवा अगौती खेती की सब्जी करना चाहते है, वह हाईटेक पौधशाला से पौध क्रय कर सकते हैं। सब्जियों की पौध बहुत सस्ती दर पर मिलेगी। इसके अलावा अपना बीज ले जाकर भी पौधशाला में अपनी पौध तैयार करा सकते हैं। जिस पर एक रुपये प्रति पौध भुगतान करना होगा। यह पौध किसानों के लिये हाईटेक पाठशाला अगेती सब्जियों की खेती कर अपनी आय में वृद्धि करने में सहायक सिद्ध होगी। किसान भाई हाईटेक पौधशाला अगरयाला पर अथवा कार्यालय जिला उद्यान अधिकारी, जवाहर बाग मथुरा में सम्पर्क कर सकते है।

# धर्मपरायण वैदेही शर्मा का निधन

## मोक्षधाम पर गणमान्य लोगों ने दी अंतिम विदाई

**जनता यूनियन मथुरा।** ब्राह्मण समाज के प्रतिष्ठित परिवार पं. जगदीशचंद शर्मा की धर्मपत्नी एवं धर्मपरायण महिला श्रीमती वैदेही शर्मा का आज प्रातः आकस्मिक निधन हो गया। वे पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रही थीं।

उनकी शवयात्रा निज निवास जेवी प्लाजा चौक बाजार से प्रारंभ हुई। यात्रा में बड़ी संख्या में व्यापारी, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी, प्रतिष्ठित नागरिक एवं ब्राह्मण समाज के गणमान्यजन सम्मिलित हुए। शवयात्रा चौक बाजार होते हुए मोक्षधाम पहुंची, जहां उनके ज्येष्ठ पुत्र एवं समाजसेवी मनोज शर्मा ने उन्हें मुखाग्नि दी।

उपस्थित लोगों ने बताया कि श्रीमती वैदेही शर्मा न केवल धर्मपरायण महिला थीं, बल्कि समाज सेवा में भी सदैव अग्रणी रहती थीं। वे गरीबों को प्रतिदिन भोजन करातीं और मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए समय-समय पर मनोरथ भी कराती थीं। उनके परिवार द्वारा प्रतिवर्ष चौक बाजार में रामलीला स्वागत हेतु अवधपुरी का भव्य निर्माण कराया जाता रहा है।

रामबारात के दिन ही उनके अचानक निधन से रामलीला सभा के पदाधिकारी स्तब्ध रह गए। महर्षि परशुराम शोभायात्रा में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहता था। स्वागत-सत्कार और जनसेवा में उनकी विशेष रुचि थी।

मोक्षधाम पर उनके पुत्र पं. रामगोपाल शर्मा, संजय शर्मा, उनके भतीजे बादल शर्मा, वीरेंद्र अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, आचार्य रमाकांत गोस्वामी, संजय हरियाणा, श्याम शर्मा, किशोर सिंह ,संजय शर्मा , अर्जुन पंडित,प्रदीप गोस्वामी, आशीष शर्मा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

# राम-बारात का भव्य स्वागत - पग-पग पर बरसे पुष्प

**जनता यूनियन मथुरा ।** श्री रामलीला सभा के तत्वावधान में मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम की बारात में 7 दर्जन कलात्मक झंकियों अनेक बैण्ड बाजों की सुमघुर स्वरलहरियों के साथ बाटी वाली कुंज स्थित बृजधाम सेवा समिति के संयोजकत्वमें जनमासे से÷श्री राम बारात प्रस्थान÷ कर चौक बाजार में स्व0 किशन चन्द शर्मा चैरिटेबिल ट्रस्ट के तत्वावधान में पं0 मनोज शर्मा व पं0 बादल शर्मा के संयोजकत्व में बनी अवधपुरी पहुंची । वहा से स्वागत सत्कार के उपरांत स्वामी घाट, छत्ता बाजार, होली गेट होती हुयी कोतवाली रोड, भरतपुर गेट स्थित जनकपुरी पहुंची । वहा प्रभु राम व जानकी के विवाहोत्सव की लीला हुयी । वहा पर श्री तिलकद्वार अग्रवाल धर्मशाला के संयोजकत्व में जनकपुरी समिति द्वारा मुनि वशिष्ठ, विश्वामित्र व राजा दशरथ का मिलनी कर स्वागत किया गया । तत्पश्चात् विवाह की लीला के अन्तर्गत माता जानकी जी ने प्रभु श्रीराम व प्रभु श्रीराम ने माता जानकी का वरमाला पहना कर वरण किया, तो उपस्थित जन समुदाय श्रीराम व माता जानकी की जय-जयकार करने लगा । रामबारात का मार्ग में अनेक स्थानों पर आरती व पुष्प वर्षा, आरती कर नगरवासियों द्वारा भव्य स्वागत सत्कार किया गया । राम बारात में राजा रामचन्द्र के जयघोषों से कृष्ण नगरी राम के रंग में रंगी नजर आयी ।

राम बारात की संचालन व्यवस्था में प्रशासन के सहयोग हेतु जुलूस मंत्री विनोद सर्राफ, अपने सहयोगी हिमांशु सूतिया ,सुनील सूतिया,शुभम बिजली, कन्हैया टाइप, मनीष गर्ग, कुशल जिन्दल, रामगोपाल शर्मा, विवेक सूतिया, कृष्णगोपाल शर्मा, अमन कुमार,रोहित अग्रवाल आदि अनेक साथियों के साथ सक्रिय थे ।

राम बारात में मुख्य रूप से रविकान्त गर्ग, गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी, जयन्ती प्रसाद अग्रवाल, जुगलकिशोर अग्रवाल, नन्दकिशोर अग्रवाल, मूलचन्द गर्ग, विजय सर्राफ किरोड़ी, प्रदीप सर्राफ पी0के0, शैलेश अग्रवाल सर्राफ, अजय मास्टर, पं0 शशांक पाठक, संजय बिजली, नगेन्द्रमोहन मित्तल, अजयकान्त गर्ग, प्रेम सर्राफ, मदनमोहन श्रीवास्तव, चिन्ताहरण चतुर्वेदी, सोहनलाल शर्मा, प्रदीप गोस्वामी, अजय सर्राफ, अनूप टैण्ट, राजनारायण गौड़, विष्णु शर्मा, सुरेन्द्र खौना, शेलू हकीम, गौरव टैण्ट वाले, संजय किरोड़ी, योगेश आवा, हेमन्त अग्रवाल, महेश चन्द, रविप्रकाश साड़ी वाले, राजकुमार अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, दिनेश सदर, राजीव शर्मा, रामदास चतुर्वेदी, बॉबी हाथी, विजय बहादुर सिंह, अजय नमकीन, योगेश चतुर्वेदी, हेमंत अग्रवाल ,प्रवीन अग्रवाल,प्रदीप पप्पन,संजय किरोड़ी, गोपाला चतुर्वेदी,राजीव शर्मा ,नमन कुमार ,आदि उपस्थित थे ।

# श्री कृष्णा सामूहिक संकीर्तन मंडल के सदस्यों द्वारा भजन संध्या का आयोजन

**जनता यूनियन मथुरा ।** प्राचीन मंदिर ठाकुर श्री केशव देव जी महाराज में अमावस्या पर्व पर श्री कृष्णा सामूहिक संकीर्तन मंडल के सदस्यों द्वारा भजन संध्या का आयोजन किया गया कृष्ण गोपाल शर्मा द्वारा गणेश वंदना कर भजन संध्या का शुभारंभ किया गया इस अवसर पर मनमोहन सर्राफ द्वारा बहुत ही सुंदर मनभावन प्रस्तुति काली काली अलको के फंदे क्यों डाले हमें जिंदा रहने दे ओ मुरली वाले भजन गाकर सभी को मन मोह लिया महेश गोयल ने मेरे उठे विरह की पीर सखी वृंदावन जाऊंगी विजय बंसल ने मेरा दिल तो दीवाना हो गया मुरली वाले तेरा दीपक शर्मा ने काला काला कहे गुजरी मत कारे को जिकर करें काले रंग पे मोरनी रुदन करें अन्य भक्तों की सुंदर-सुंदर भजन गायक इससे पूर्व भगवान का पंचामृत अभिषेक सेवायत नवीन पोशाक धारण कराई गई प्रसाद वितरण के साथ भजन संध्या का समापन हुआ इस मौके पर दिलीप पांडे सुरेश अग्रवाल राजकुमार अग्रवाल बृजनंदन शर्मा मुकदमणि शर्मा सुरेश चंद्र अग्रवाल योगेंद्र गोयल वीरेंद्र मित्तल आदि उपस्थित रहे।

# सडक हादसों में चार लोगों की मौत

**जनता यूनियन मथुरा ।** जनपद के चार अलग अलग स्थानों पर हुई सड़क दुर्घटनाओं में चार व्यक्तियों की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतकों का पंचनामा भरकर शवों को पोस्टमार्टम गृह भेजा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना रिफाइनरी अंतर्गत गांव आजमपुर में रहने वाले 22 वर्षीय कैलाश पुत्र केशव सिंह की सदर बाजार क्षेत्र में हुई दुर्घटना में मौत हो गई तो वहीं कोसीकला क्षेत्र में हुई सड़क दुर्घटना में 49 वर्षीय जिले सिंह पुत्र भजन निवासी नाहर थोक नंदगांव बरसाना की मौत हो गयी। तीसरी घटना में थाना रिफाइनरी अंतर्गत गांव भाहई गोपी नगर रांची बांगर निवासी 18 वर्षीय पवन पुत्र जगवीर की सदर बाजार क्षेत्र में हुई सड़क दुघर्टना में मौत हो गई। वहीं थाना राया क्षेत्र में हुई सड़क दुघर्टना में गांव कोयल निवासी 55 वर्षीय गोपाल प्रसाद पुत्र भगवान सिंह की गांव में हुई दुर्घटना में मौत हो गई।

# शादी का झांसा देकर एमबीए की छात्रा से दुष्कर्म, आरोपी छात्र गिरफ्तार

झांसी जयूसं। सीपरी बाजार थाना क्षेत्र में स्थित एक होटल में शादी का झांसा देकर एमबीए की छात्रा से दुष्कर्म किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने आरोपी छात्र को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पीड़िता एमबीए की छात्रा ने पुलिस को बताया था कि एमबीए की पढ़ाई के दौरान उसकी जान पहचान सीपरी बाजार थाना क्षेत्र के भोजला निवासी विशाल अहिरवार से हुई थी। विशाल ने उससे शादी करने का वादा किया था। इसी बीच 29 अप्रैल की दोपहर वह शापिंग कराने के बहाने उसे ग्वालियर शिवपुरी हाइवे स्थित द रियल फार्म होटल एंड रेस्टोरेंट में पहुंचा। यहां आरोपी ने उससे दुष्कर्म किया। इसके बाद उसने शादी करने से इंकार कर दिया। उसने आरोपी के परिजनों से शिकायत की, लेकिन वे धमकाने लगे। पीड़िता ने विशाल अहिरवार और बॉबी अहिरवार निवासी भोजला के खिलाफ69/351 (2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया। इस संबंध में सीपरी बाजार थाना प्रभारी विनोद कुमार मिश्रा का कहना है कि आरोपी छात्र विशाल अहिरवार को गिरफ्तार कर लिया। उसे अदालत में पेश किया। वहां से उसे जेल भेजा गया।

## उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को मिला संरक्षा पुरस्कार

झांसी जयूसं। मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार ने झाँसी मंडल के बांदा में पदस्थ मनोज कुमाक पटेल काटेवाल, बांदा में तैनात ट्रैकमैन प्रीतम पाराशर को सतर्कता, सजगता एवं उत्कृष्ट कार्य हेतु संरक्षा प्रशस्ति पत्र एवं नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मंडल रेल प्रबंधक ने दोनों कर्मचारियों को भविष्य में भी इसी प्रकार सतर्कता एवं सजगता पूर्वक कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया।

## बुद्धि और परिश्रम को मिला सम्मान

झांसी जयूसं। जन सूचना अधिकार मंच द्वारा आयोजित प्रतिभा उत्सव कार्यक्रम में बुद्धि और परिश्रम के बल पर स्थान पाने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। संस्था द्वारा संत कोलम्बस इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में प्रतिभा उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। हाईस्कूल में विद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान पाने वाले रिहान खान, द्वितीय आशी राय व तृतीय वासिफा जेहरा इण्टरमीडिएट में प्रथम इरम खान, द्वितीय सक्षम राय, तृतीय अनुराग प्रताप सिंह को मेडल व प्रमाण पत्र देकर प्रतिभा रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अब्दुल शाहिद, मुदित चिरवारिया, अनिल बख्शी, राजेश तिवारी, मंशाराम वर्मा, अंकुल गुप्ता सहित कई लोग उपस्थित रहे। संचालन विद्यालय प्राचानाचार्या डा मेघा दीक्षित व आभार दीप्ति गोस्वामी ने व्यक्त किया।

## जूनियर स्केल के रेलवे अफसरों के कार्यालय से हटेंगे एसी

झांसी जयूसं। रेलवे महकमे में एसी का शौच रखने वाले जूनियर स्केल के अफसरों को अपने कक्ष से एसी हटाने पड़ेंगे, क्योंकि इसके लिए एनसीआर के पीसीईई प्रमुख ने प्रयागराज, झांसी और आगरा मंडल रेल प्रबंधक, मुख्य कारखाना प्रबंधक आदि फरमान जारी कर दिया है।

रेलवे विभाग में पदस्थ जूनियर स्केल आफीसर्स कार्यालयों में अफसरों की ओर से नियमों के विपरीत एसी लगा रखे थे। इसका बिजली बिल भी सरकारी खजाने से चुकाया जाता रहा। ऐसे में रेलवे विभाग को चूना भी लग रहा था। बताते हैं कि कुछ दिनों पहले उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक का पदभार नरेश पाल सिंह ने संभाला है। उन्होंने बीते रोज आगरा, झांसी और प्रयागराज मंडल के अफसरों को मौखिक आदेश दिए थे कि जूनियर स्केल आफिसर्स के कार्यालयों में लगे एसी तत्काल प्रभाव से हटाया जाए, मगर इन आदेशों का पालन नहीं किया गया। इस पर महाप्रबंधक ने नाराजगी जताई है।

# महिला आरक्षियों की नौकरी छोड़, बनी पुलिस के वायरलैस विभाग की सहायक परिचालक व दिल्ली पुलिस की सिपाही

झांसी जयूसं। वर्दी पहनकर लोगों की सुरक्षा की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाने वाली तीन महिला आरक्षियों में एक ने दिल्ली पुलिस और दो ने पुलिस के वायरलैस विभाग के सहायक परिचालक बनकर समाज में अपना योगदान देंगे। उन्नाव जिले की दो महिला आरक्षियों का चयन वायरलैस विभाग में सहायक परिचालक के पद पर हुआ है। सहायक परिचालक व दिल्ली पुलिस का सिपाही बनी महिला पुलिसकर्मियों ने एसएसपी कार्यालय में कार्यमुक्ति के लिए आवेदन कर वर्दी की जिम्मेदारी से मुक्त किए जाने की मांग की है।

उन्नाव में रहने वाली दीप्ति अवस्थी और पायल वर्तमान में झांसी में जीटीसी का प्रशिक्षण ले रही थी। इसी तरह जालौन में रहने वाली लवी भी शामिल थी। इनमें दो महिलाओं का पुलिस विभाग के वायरलैस विभाग में सहायक परिचालक के पद पर चयन हो गया जबकि एक महिला आरक्षी का दिल्ली पुलिस में चयन हुआ है। तीनों महिला आरक्षियों ने नौकरी छोड़ने का प्लान बनाया था। बताते हैं कि कांस्टेबल की नौकरी के दौरान दिल्ली पुलिस व सहायक परिचालक बनी पुलिसकर्मियों के सामने कई दिनों तक असमंजस की स्थिति रही कि वह क्या करें और क्या नहीं। एक ओर वर्दी की शान तो दूसरी तरफ सहायक परिचालक का सम्मान। न इसके बीच कांस्टेबलों ने वेतन के आधार पर नौकरी बेहतर समझी और इन्होंने पुलिस विभाग की नौकरी छोड़ दिल्ली पुलिस व सहायक परिचालक बनने का निर्णय लिया। इन तीनों महिला आरक्षियों को कार्यमुक्त कर दिया गया है।

## न्यूज ब्रीफ

### गो-पालक गोवंश के संरक्षण के लिए पक्का कैटर कैचर बनवाएं सरकार देगी पैसा

झांसी जयूसं। जनपद स्तरीय अनुश्रवण एवं मूल्यांकन समिति की बैठक अध्यक्ष गौ सेवा आयोग उत्तर प्रदेश श्याम बिहारी गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित हुई,जिसमें गोवंश आधारित खेती करने और जहर मुक्त हो खाने की थाली का अभियान चलाए जाने पर चर्चा हुई। अध्यक्ष गो सेवा आयुक्त श्याम बिहारी गुप्ता ने कहा कि यदि गोपालक गोवंश के संरक्षण के लिए पक्का कैटल कैचर बनाता है तो उसके खाते में 01 लाख रुपये की धनराशि हस्तांतरित की जाएगी, इस योजना का लाभ लेने के लिए पहले किसान को स्वयं कैटल कैचर बनाना होगा। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष पवन गौतम, पराग सभापति प्रदीप सरावगी, सदस्य विधान परिषद रामतीर्थ सिंघल, सदस्य विधान परिषद रमा निरंजन, शिक्षक विधायक डॉ.बाबूलाल तिवारी, जिलाध्यक्ष हेमंत परिहार ने भी प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जुनैद अहमद, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. संजय कुमार सिंह, एसपी सिटी सुश्री प्रीति सिंह, उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, डॉ. जे एस पाल, डीसी मनरेगा शिखर कुमार श्रीवास्तव, प्रकाश नारायण द्विवेदी सहित समस्त पशु चिकित्सा अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी, प्रगतिशील कृषक गोपालक उपस्थित रहे।

### ऑल इंडिया पयाम ए इंसानियत फोरम झांसी यूनिट द्वारा बंदी का जुर्माना भरा

झांसी जयूसं। समाजसेवी संस्था, आल इण्डिया पयाम ए इंसानियत फोरम, झाँसी यूनिट ने जिला कारागार, झाँसी में निरूद्ध मात्र अर्थदण्ड के एवज में सजा काट रहे निर्धन गरीब सिद्धदोष बंदी साहिल हसन निवासी जीवनशाह के पास रहने वाले हैं। जिनके मुकदमे की अर्थदण्ड धनराशि रू0 छह हजार रुपए कारागार स्तर पर जमा करायी गयी जिससे कि उक्त बंदी कारागार से मुक्त हो सके। इस अवसर पर कारागार के वरिष्ठ जेल अधीक्षक विनोद कुमार, जेलर अंजनी कुमार गुप्ता, उप कारापाल कुमार विप्लव, उप कारापाल आदित्य यादव, मुफ्ती इमरान नदवी, मजहर ओरछा गेट, एवं शाहिद खान जिला कारागार, झाँसी पर उपस्थित रहे।

### रक्तदातों को किया सम्मानित

झांसी जयूसं। सनशाइन क्लब के कार्यवाहक अध्यक्ष अमित जैन की अध्यक्षता में एक होटल में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। वंदे मातरम गायन के पश्चात समारोह का प्रारंभ किया गया। 13 अगस्त को एक होटल में आयोजित हैप्पी सलाद प्रतियोगिता में सम्मिलित होने वाली सीमा अग्रवाल को सम्मानित किया गया। रक्तदान करने वालों में विलास गुप्ता, अमन अग्रवाल एवं अनिमेष गुप्ता रक्तदातों को सम्मानित किया गया। शिक्षक शिक्षिकाओं में भारती तिगुनायक, मधुलता अग्रवाल, इंदिरा सिंह, अलका गुप्ता, दीपा यादव, सुरक्षा गुप्ता, रंजना पहाड़िया, विलास गुप्ता, शरद पहारिया को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह संयोजक सुरेखा-रोहित जायसवाल द्वारा सफलतापूर्वक समारोह को संयोजित किया गया। सम्मान समारोह में आंचल जैन अनुराधा गुप्ता, सीमा गुप्ता, सरिता अशोक अग्रवाल, ममता श्याम मुरारी अग्रवाल, कुसुम अशोक सिंघल, भारती उमेश गुप्ता, वंदना नीरज भटनागर, संजय यादव, अमित गुप्ता, रेनू भावना आशीष सोनी, त्रिलोकी नाथ अग्रवाल, चंद्रशेखर तिगुनायक इत्यादि सम्मिलित हुए। अंत में सचिव वीरेन गुप्ता द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया।

### विधानपरिषद चुनाव में उतरेगी कांग्रेस

झाँसी जयूसं। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने पत्र जारी करते हुए प्रस्तावित विधानपरिषद चुनाव की छः शिक्षक और पांच स्नातक सीट के लिए तैयारी करने का आह्वान किया है। शिक्षक कांग्रेस की प्रदेश महासचिव सायमा नोमान बताती हैं कि कांग्रेस द्वारा इन सीटों पर प्रत्याशी उतारने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए जिला से सम्भावित प्रत्याशियों के आवेदन भी लिया जाना है। वह बताती हैं कि इलाहाबाद झांसी खण्ड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से मतदाता बनाने का काम तेजी से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षक और स्नातक विधान परिषद का चुनाव बेहतर प्रबन्ध और संवाद का चुनाव है। इसलिए हर कार्यकर्ता को पूरी ताकत से इन चुनावों में जीत दर्ज करने के लिए जुटना चाहिए। संगठन के समग्र परिश्रम से ही इस चुनाव में अच्छे नतीजे आएंगे।

# योगी सरकार की मंजूरी के बाद झांसी में मूंगफली और तुलसी के निर्यात आधारित कलस्टर का हुआ गठन

**जल्द ही झांसी की मूंगफली और तुलसी का शुरू होगा निर्यात**

झांसी जयूसं। योगी सरकार द्वारा झांसी जनपद में तुलसी और मूंगफली के निर्यात आधारित क्लस्टर के गठन को मंजूरी मिलने के बाद जनपद में दो क्लस्टर का गठन हुआ है। एफपीओ के माध्यम से इन दोनों कलस्टर का गठन किया गया है। शासन से इन दोनों क्लस्टर को स्वीकृति मिलने के बाद सरकार की ओर से इन्हें आर्थिक मदद के साथ ही ट्रांसपोर्ट में भी सब्सिडी प्रदान की जाएगी। इस पहल से बुंदेलखंड के कृषि उत्पादों को विदेश निर्यात कर किसान अपनी आमदनी बढ़ा सकेंगे। झांसी जनपद के बंगरा ब्लॉक के ग्राम पठा खरका में 57 हेक्टेयर क्षेत्रफल में तुलसी की खेती के लिए क्लस्टर गठन किया गया है। इस पर 58 किसान सम्मिलित रूप से तुलसी की पैदावार करेंगे। जनपद के गुरसराय ब्लॉक के ग्राम टोडी फतेहपुर में 59 हेक्टेयर क्षेत्रफल में मूंगफली का क्लस्टर 38 किसानो ने मिलकर तैयार किया है। कृषि विपणन विभाग के माध्यम से क्लस्टर के गठन की प्रक्रिया की गई है। झांसी के ज्येष्ठ कृषि विपणन निरीक्षक प्रखर कुमार ने बताया कि झांसी में तुलसी और मूंगफली के निर्यात आधारित क्लस्टर के गठन को सरकार ने कुछ समय पहले मंजूरी दी थी। इसके बाद झांसी के एफपीओ ने दो क्लस्टर तैयार किए हैं। बंगरा और गुरसराय ब्लॉकों से दो क्लस्टर के गठन के बाद इन्हें जिलाधिकारी के अनुमोदन के बाद शासन को भेजा जाएगा। शासन से अनुमोदन के बाद ये कलस्टर काम करना शुरू कर देंगे और प्रत्येक क्लस्टर को आर्थिक मदद के साथ ही ट्रांसपोर्ट में भी सब्सिडी प्रदान की जाएगी।

# हे और साइलेज विधि से चारे को संरक्षित करें

झाँसी जयूसं। रानी लक्ष्मी बाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय के वैज्ञानिकों नेहे और साइलेज विधि से चारे को संरक्षित कराने की सलाह दी है। डॉ. प्रमोद कुमार सोनी और डॉ. दीपक उपाध्याय ने बताया कि हरे चारे की कमी ग्रीष्म एवं शीत ऋ तु में पशुपालकों के सामने एक गंभीर समस्या होती है, जिसे दूर करने के लिए हरे चारे को समय पर वैज्ञानिक विधियों से संरक्षित करना आवश्यक है। हरे चारे को 'हे' या 'साइलेज' के रूप में संरक्षित कर किसान वर्षभर पशुओं को पौष्टिक आहार उपलब्ध करा सकते हैं। 'हे' वह सूखा हरा चारा है जिसमें लगभग 85-90 प्रतिशत शुष्क पदार्थ हो, रंग हरा बना रहे और पत्तियाँ सुरक्षित रहें, साथ ही नमीं की मात्रा 10-15प्रतिशत से अधिक न हो ताकि फफूंद का खतरा न रहे। 'हे' बनाने के लिए चारा पुष्प अवस्था में काटना चाहिए, क्योंकि इस समय इसमें प्रोटीन, विटामिन और खनिज तत्त्व अधिकतम मात्रा में होते हैं। पतले तनों वाली फसलें जैसे बरसीम, लोबिया जल्दी सूखती हैं और 'हे' बनाने में उपयुक्त हैं। बरसीम हे का भेड़ और बकरियों में विशेष महत्व है, क्योंकि यह उच्च प्रोटीन (लगभग 15-18 प्रतिशत), खनिज और विटामिन का अच्छा स्रोत है। इसका रेशा मुलायम व स्वादिष्ट होता है, जिससे भेड़-बकरियाँ इसे आसानी से खा लेती हैं। नियमित रूप से बरसीम हे खिलाने से दूध, मांस उत्पादन और वृद्धि भी बेहतर होती है। 'हे' बनाने के लिए कई वैज्ञानिक विधियाँ अपनाई जा सकती हैं जैसे चारे को खेत में पतली परत में फैला दिया जाता है और हर 6 से 8 घंटे के अंतराल पर पलटा जाता है ताकि धूप और हवा सभी भागों तक पहुँचकर समान रूप से नमीं को कम कर दें। जब चारे की नमीं लगभग 10 से 15 प्रतिशत तक घट जाती है और तना हाथ से तोड़ने पर चरचर की आवाज करता है, तब यह संकेत होता है कि हे पूरी तरह तैयार हो चुका है। इसके बाद इसे ढीले गट्ठर बनाकर या हे बेलिंग मशीन द्वारा पैक करके भंडारण किया जा सकता है। 'हे' को भंडारण के लिए ऊँची, छायादार, सूखी एवं हवादार जगह पर रखना चाहिए तथा चूहों, दीमक और आग से सुरक्षित रखना चाहिए। च्हेज बनाने की अन्य विधियों में लटकाकर सुखाना, 'ट्रिपोड' विधि (तीन डंडों का त्रिकोण बनाकर चारा लटकाना), 'रेक्स' पर सुखाना (ऊँचे स्थान पर सरियों पर फैलाना), विद्युत द्वारा सुखाना तथा छत के नीचे सुखाना शामिल हैं। साइलेज हरे चारे को लम्बे समय तक संरक्षित करने की एक दूसरी वैज्ञानिक पद्धति है, जिसमें चारे को वायुरहित वातावरण में भरकर प्राकृतिक किण्वन की प्रक्रिया से संरक्षित किया जाता है। इसमें दूधिया अवस्था में मौजूद फसलें जैसे मक्का, ज्वार, बाजरा, नेपियर हाइब्रिड आदि सबसे उपयुक्त होती हैं क्योंकि इस अवस्था में शर्करा की मात्रा अधिक होती है जो किण्वन के लिए आवश्यक है। साइलेज बनाने के लिए चारे को 1-2 सेमी लंबाई में काटकर साइलो पिट (गड्ढा), साइलो टैंक, साइलो बैग या ड्रम में परत दर परत भरते समय अच्छी तरह दबाया जाता है ताकि हवा पूरी तरह निकल जाए। भरने के बाद इसे पॉलीथीन शीट या मिट्टी की परत से वायुरहित ढक दिया जाता है। 30-40 दिनों में किण्वन की प्रक्रिया पूरी हो जाती है और तैयार साइलेज में हल्की खट्टी सुगंध, हरे-पीले रंग और मुलायम बनावट होती है। साइलेज की नमीं लगभग 60-70त्न रहती है और इसमें पोषक तत्त्व लंबे समय तक सुरक्षित रहते हैं। यह 1 वर्ष तक बिना खराब हुए पशुओं को खिलाया जा सकता है। साइलेज का उपयोग विशेषकर उस समय किया जाता है जब हरे चारे की उपलब्धता कम हो या सूखा/पाला जैसी परिस्थितियाँ हों। यह पचने में आसान, स्वादिष्ट और ऊर्जा व प्रोटीन से भरपूर होता है, जिससे दूध उत्पादन और पशुओं की सेहत दोनों में सुधार होता है। दोनों विधियों का उचित समय पर उपयोग कर किसान वर्षभर पशुओं को पौष्टिक आहार उपलब्ध करा सकते हैं, चारे की कमी से होने वाले नुकसान से बच सकते हैं और पशुओं की उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकते हैं।

# बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय में टेली एवं जीएसटी, सेबी, एनआईएसएम वित्त शिक्षा इन्वेस्टमेंट एवं रिसर्च पर एक साप्ताहिक कार्यशाला का शुभारंभ

झाँसी जयूसं। बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी के बैंकिंग, अर्थशास्त्र एवं वित्त विभाग द्वारा आयोजित एक साप्ताहिक अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ आज विश्वविद्यालय परिसर में हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ विभागीय शिक्षकों एवं अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं दुर्गा मंत्रोच्चारण के साथ किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मुकेश पांडेय ने विश्वविद्यालय की प्रगति के बारे में जानकारी साझा करते हुए विभाग के शैक्षणिक और अनुसंधानात्मक योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला छात्रों को व्यावहारिक कौशल, डेटा एनालिटिक्स और शोध पद्धति से जोड़ने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। विभागाध्यक्ष एवं निदेशक प्रो. सी. बी. सिंह ने विभाग कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की तथा विशिष्ट संसाधन व्यक्तियों प्रो. के. वी. भानुमूर्ति, पूर्व डीन, दिल्ली स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स, सी.एम.ए. शिब्बू गोपी, वित्त एवं प्रबंधन विशेषज्ञ का परिचय कराया। कला संकाय अध्यक्ष प्रो. पुनीत बिसारिया ने छात्रों और शोधार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए विभाग की सक्रिय शैक्षणिक गतिविधियों की सराहना की।

प्रथम सत्र में प्रतिभागियों को जीएसटी से संबंधित टैली 6.2 सॉफ़्टवेयर का प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया गया। द्वितीय सत्र में माइक्रोसॉफ़्ट एक्सेल द्वारा शोध पद्धति एवं डेटा विश्लेषण पर अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शिल्पा मिश्रा ने किया।

# उम्मीद पोर्टल पर वक्फ सम्पत्तियों के लेखा-जोखा दर्ज कराने नोडल कोआर्डिनेटर/मुतवल्ली नामित

झांसी जयूसं। सहायक सर्वे कमिश्नर वक्फ मो तारिक ने बताया है कि केन्द्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय नई दिल्ली ने उम्मीद पोर्टल पर वक्फ सम्पत्तियों के लेखा-जोखा दर्ज करने के लिये निर्देश दिये गये है, जिसके अंतर्गत उ.प्र., सुन्नी/शिया सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड लखनऊ द्वारा उम्मीद पोर्टल पर विवरण फीडिंग करने के लिये जनपद झाँसी के मुतवल्ली/प्रबन्ध समिति को अफसर पुत्र शमशेर अली निवासी डाक खाने के पास चिरगाँव झांसी, असलम निवासी मोहनी बाबा बाहर सैयर गेट झांसी एवं आरिफ पुत्र मो. आमिल साहब निवासी विसाती बाजार झांसी को सुन्नी सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड तथा सैयद गजनफर हुसैन पुत्र शराफत हुसन निवासी 135, सरायं झाँसी को शिया सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड का कोआर्डिनेटर नामित किया गया है।

सहायक सर्वे कमिश्नर वक्फ मो. तारिक ने जनपद के सभी मुतवल्लीयों को सूचित किया है कि उम्मीद पोर्टल पर वक्फ सम्पत्तियों के लेखा-जोखा दर्ज करने के लिये उक्त नोडल कोआर्डिनेटर / मुतवल्ली से समन्वय/सम्पर्क स्थापित करके अपने-अपने वक्फ सम्पत्तियों को डाटा उम्मीद पोर्टल पर दर्ज कराना सुनिश्चित करें। अधिक जानकारी के लिये कार्यालय सहायक सर्वे कमिश्नर, वक्फ, झाँसी (द्वितीय तल) विकास भवन, झाँसी से किसी भी कार्य दिवस में सम्पर्क कर जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

# शांति और मानवता के लिए वसुधैव कुटुम्बकम ही समाधान : प्रो. डॉ. मुकेश पांडेय

**देश विदेश के वक्ताओं ने वसुधैव कुटुम्बकम को माना अशांत विश्व को शांत करने वाला मूलमंत्र**

झाँसी जयूसं। गुरुग्राम स्थित भारत अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक केंद्र, चाणक्य वार्ता, हंसराज कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित च्अशांत विश्व में वसुधैव कुटुम्बकम की प्रासंगिकताज्ज विषयक त्रिदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रीमती कांति देवी जैन व्याख्यानमाला के दौरान बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) मुकेश पांडेय ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि च्भारत ने प्राचीन काल से ही पूरे विश्व को एक परिवार माना है और उसी दर्शन के अनुरूप कार्य और व्यवहार किया है। इंसान कहीं का भी हो, वह सर्वप्रथम इंसान है—यह संदेश हमें वसुधैव कुटुम्बकम से मिलता है। प्रो. पांडेय ने कहा कि आज जब विश्व में अशांति, जलवायु परिवर्तन, महामारी और आपदाएँ मानवता को चुनौती दे रही हैं, ऐसे समय में सम्राट अशोक की अहिंसा की नीति और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का च्वसुधैव कुटुम्बकमज्ज का मंत्र ही विश्व को जोड़ने के लिए सच्चा समाधान है। च्आज की परिस्थितियों में मानवीय संवेदनशीलता, सहयोग और सबका कल्याण ही वैश्विक शांति का मार्ग है। वसुधैव कुटुम्बकम की भावना से ही हम समृद्ध, शांतिपूर्ण और स्वस्थ समाज की स्थापना कर सकते हैं,ज्ज उन्होंने जोड़ते हुए कहा।

उन्होंने आगे कहा भारत की सांस्कृतिक विरासत, अहिंसा, दया और भाईचारे की भावना को वैश्विक स्तर पर और अधिक प्रसारित करने की आवश्यकता है जिससे विश्व समुदाय एक परिवार की तरह आगे बढ़ सके।

प्रो. पांडेय ने व्याख्यानमाला के आयोजन के लिए आयोजकों को धन्यवाद दिया और आशा जताई कि ऐसे विमर्श विश्व शांति एवं मानवता के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे। तीनों दिन की प्रस्तावना एवं विषय पर्वतन श्रीमती कांति देवी जैन स्मृति न्यास के अध्यक्ष डॉ अमित जैन ने प्रस्तुति की। तीसरे दिन अतिथियों का स्वागत शुभदा वराडकर एवं धन्यवाद ज्ञापन बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी के प्रो डॉ अवनीश कुमार ने और अध्यक्षीय भाषण लक्ष्मीनारायण भाला द्वारा दिया गया। तीनों दिन का संचालन अभिषेक त्रिपाठी, आयरलैंड द्वारा किया गया। इस महत्वपूर्ण व्याख्यानमाला में ओडिशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट; बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झाँसी; उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी; महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़; ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ; एवं अंतरराष्ट्रीय सहयोग परिषद्, नई दिल्ली; नागरी लिपि परिषद्, नई दिल्ली ने सहयोगी संस्था के रूप में भाग लिया।

# रेलकर्मियों ने बेकार को दिया आकार, रिड्यूस, रियूज, रिसाइकिल सिद्धांत के पालन का दिया संदेश

**स्वच्छता ही सेवा 2025 स्वच्छोत्सव झांसी मंडल में पूरे उत्साह के साथ जारी**

झांसी जयूसं। स्वच्छता ही सेवा 2025 के अंतर्गत झांसी मंडल में स्वच्छोत्सव पूरे उत्साह और जोश के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर आज 3क्र सिद्धांत रिड्यूस, रियूज, रिसाइकिल के पालन के तहत कई कार्यक्रम आयोजित किए गए।

बेसिक ट्रेनिंग सेंटर, कैरेज एंड वैगन के कर्मचारियों ने अपने रचनात्मक योगदान से कबाड़ को आकर्षक और उपयोगी रूप में ढालकर विभिन्न आकृतियाँ तैयार कीं। कर्मचारियों ने कबाड़ से पक्षी, सेना के जवान, काम करते कारीगर जैसी आकृतियाँ बनाकर 3क्र सिद्धांत के महत्व को प्रभावशाली ढंग से प्रदर्शित किया।

इसी क्रम में वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, दतिया, ग्वालियर, खजुराहो, आदि सभी प्रमुख स्टेशनों पर यात्रियों को कपड़े की थैली वितरित कर स्वच्छता और प्लास्टिक मुक्त अभियान के प्रति जागरूक किया गया। इस पहल का उद्देश्य यात्रियों और कर्मचारियों दोनों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और रिसाइक्लिंग के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाना है।

मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रेरणा देती हैं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी और रचनात्मकता को भी बढ़ावा देती हैं। स्वच्छोत्सव के अंतर्गत आयोजित ये गतिविधियाँ झांसी मंडल में स्वच्छता अभियान को नए उत्साह और गति प्रदान कर रही हैं।

# मधुमेह व मोटापा धीरे-धीरे याददाश्त को बनाता है कमजोर

- इंसान के सोचने-समझने की क्षमता होती है प्रभावित
- मोटापे से शरीर में हार्मोनल बदलाव

**नई दिल्ली,** (एजेंसियां)। हर साल 21 सितम्बर को पूरी दुनिया में 'विश्व अल्जाइमर दिवस' मनाया जाता है। इस दिन का मकसद लोगों को अल्जाइमर और उससे जुड़ी बीमारियों के बारे में जागरूक करना है। अल्जाइमर एक ऐसी बीमारी है, जो इंसान के सोचने-समझने की क्षमता, याददाश्त और रोजमर्रा के कामों को प्रभावित करती है।

कई वैज्ञानिक रिसर्च में यह साबित हो चुका है कि खराब जीवनशैली का असर हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है, जो अल्जाइमर जैसी गंभीर बीमारी को न्योता देता है। हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और मोटापे जैसी बीमारियां, जो पहले 60-70 की उम्र के बाद में हुआ करती थीं, अब वह 30-40 की उम्र में दिखाई देने लगी हैं। सभी बीमारियां न सिर्फ दिल या शरीर को नुकसान पहुंचा रही हैं, बल्कि दिमाग पर भी गंभीर असर डाल रही हैं।

मधुमेह में अगर लंबे समय तक शुगर लेवल कंट्रोल में न रहे, तो दिमाग तक सही मात्रा में ऊर्जा नहीं पहुंचती है। ब्रेन की कोशिकाएं सुस्त पड़ने लगती हैं और इंसान को चीजें याद रखने में परेशानी होने लगती है। कुछ वैज्ञानिकों ने तो इसे टाइप-3 डायबिटीज तक कहा है, क्योंकि यह डायबिटीज की तरह ही दिमाग को अंदर से नुकसान पहुंचाता है।

इसके कारण ब्रेन में इंसुलिन की कार्यप्रणाली बिगड़ सकती है, जिससे सोचने और याद रखने की ताकत धीरे-धीरे कम होने लगती है।

हाई ब्लड प्रेशर दिल से जुड़ी बीमारी मानी जाती है, लेकिन इसका असर दिमाग पर भी गहरा होता है। जब शरीर में ब्लड प्रेशर लगातार बढ़ा रहता है, तो ब्रेन की नसों पर दबाव पड़ता है। इससे दिमाग तक खून का बहाव सही तरीके से नहीं हो पाता। जब ब्रेन को सही पोषण और ऑक्सीजन नहीं मिलता, तो उसकी कार्यक्षमता

### विश्व अल्जाइमर दिवस

घटने लगती है।

ऐसे में अल्जाइमर और डिमेंशिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है, खासकर जब यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहे।

जो लोग मोटे होते हैं, खासकर जिनके पेट के आसपास चर्बी ज्यादा जमा होती है, उनके शरीर में एक तरह की सूजन बनी रहती है, जिसे क्रॉनिक इंफ्लेमेशन कहा जाता है। यह सूजन धीरे-धीरे दिमाग की नसों को भी नुकसान पहुंचाती है। मोटापे से शरीर में हार्मोनल बदलाव होते हैं, जो मस्तिष्क की कार्यप्रणाली को कमजोर कर सकते हैं। यह प्रक्रिया धीमी जरूर होती है, लेकिन जब तक इसके लक्षण साफ नजर आने लगते हैं, तब तक काफी देर हो चुकी होती है।

# 'शुभो महालय' टीना दत्ता ने शेयर किया बंगाली साड़ी में अपना पारंपरिक लुक

**मुंबई,** (एजेंसियां)। टेलीविजन और वेब सीरीज की जानी-मानी अभिनेत्री टीना दत्ता ने महालया के शुभ अवसर पर अपने फैंस को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें साझा की, जिनमें वह पारंपरिक परिधान पहने नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों के साथ उन्होंने एक शानदार कैप्शन भी लिखा, जिसे उनके फैंस बहुत पसंद कर रहे हैं। तस्वीर में टीना दत्ता वाइट और रेड कलर की बंगाली साड़ी में नजर आ रही हैं, जिसमें लाल बॉर्डर और छोटे-छोटे रंग-बिरंगे फूलों के डिजाइन बने हुए हैं। यह उनके लुक को और भी आकर्षक बना रहे हैं। उन्होंने अपने बालों को खुला रखा है, जो उनकी खूबसूरती को और भी निखार रहे हैं। हाथों में लाल चूड़ियां हैं और उन्होंने इस साड़ी के साथ हैवी ज्वैलरी पहनी हुई है। माथे पर बिंदी और मांग में टीका है। इन सभी के साथ टीना ने अपने लुक को पूरा किया।

इस लुक में उन्होंने अन्य तस्वीर भी पोस्ट की, जिसमें वह अलग-अलग अंदाज में कैमरे के लिए पोज देती नजर आ रही है। इस पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा कि आप सभी को शुभ महालया की शुभकामनाएं। यह दिन मेरे लिए बहुत सारी यादें समेटे हुए है और मेरे दिल के बहुत करीब है। सुबह 4 बजे उठकर बिरेंद्रकृष्ण भद्राजी द्वारा महालया सुनना सुकून देने वाला होता है। मां आ रही हैंज साल का मेरा सबसे पसंदीदा समय आ गया है। बता दें कि महालया हिंदू धर्म में बेहद महत्वपूर्ण दिन माना जाता है, खासकर बंगाली समुदाय के लिए। इस दिन से दुर्गा पूजा का आरंभ होता है। कहा जाता है कि महालया के दिन ही मां दुर्गा कैलाश पर्वत से धरती पर आती हैं, और मूर्तिकार इसी दिन उनकी प्रतिमा की आंखें बनाते हैं, जिससे वे जीवंत हो जाती हैं।

# मुंह से जुड़ी समस्याओं का समाधान संभव

**नई दिल्ली,** (एजेंसियां)। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि जागरूकता अभियान चलाकर और तकनीक का सदुपयोग कर लगभग 85 प्रतिशत ओरल प्रॉब्लम (मुंह से जुड़ी समस्या) का निवारण किया जा सकता है।

भारतीय दंत चिकित्सा अनुसंधान सोसायटी की ओर से आयोजित तीन दिवसीय 35वें वार्षिक सम्मेलन में 30 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के वक्ताओं ने ओरल और क्रैनियोफेशियल (कपाल-चेहरे से संबंधित विज्ञान) में अनुसंधान की महत्ता पर बल दिया। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (जीजीएसआईपीयू) के कुलपति प्रो. (डॉ.) महेश वर्मा ने बताया कि ओरल डिजीज हमेशा जानलेवा नहीं होती, लेकिन जीवन की गुणवत्ता पर जरूर नकारात्मक असर डालती है। जागरूकता, निवारक अनुसंधान और किफायती तकनीकों के इस्तेमाल से लगभग 85 प्रतिशत ओरल प्रॉब्लम्स को रोका जा सकता है।

सम्मेलन के आयोजन अध्यक्ष वर्मा ने कहा कि हमारी चुनौती बड़ी है। ग्रामीण और शहरी भारत में लाखों लोग या तो दंत चिकित्सा सेवा तक पहुंच नहीं पाते या उसका खर्च वहन नहीं कर सकते। प्रौद्योगिकी और नवाचार को इस अंतर को पाटना होगा। आज जीवनशैली बदल रही है, जीवन स्तर बेहतर हो रहा है, तो ऐसे में समझना होगा कि वेलनेस बिना ओरल हेल्थ के हासिल नहीं की जा सकती है।

उन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य एजेंडे में ओरल हेल्थ पर ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया। वर्मा ने कहा कि दंत चिकित्सा अनुसंधान 36 श्रेणियों में किया जा सकता है, जिसमें पुनर्योजी चिकित्सा (रीजेनरेटिव थेरेपी), री रीवाइटलाइजिंग डेड टिशू, भौतिक विज्ञान और पब्लिक हेल्थ अप्रोच शामिल हैं।

विशेषज्ञों ने यह भी बताया कि कैसे शराब पहली ही घूंट से ओरल हेल्थ को धीरे-धीरे नष्ट करना शुरू कर देती है। मौलाना आजाद दंत विज्ञान संस्थान की डॉ. अश्विनी वाई.बी. ने कहा कि हालांकि यह सर्वविदित है कि शराब लिवर और शरीर के लिए हानिकारक है, लेकिन यह क्षति बहुत पहले, मुंह के अंदर ही शुरू हो जाती है। अश्विनी ने कहा कि हमारे मुंह में म्यूकोसा नामक एक नाजुक सुरक्षात्मक परत होती है। शराब इसे तुरंत सुखा देती है। यह सूखापन इस परत को कमजोर कर देता है और फिर दर्दनाक छालों को जन्म देता है।

# सना सईद मशहूर किरदार की वजह से नई पहचान बनाने के लिए करनी पड़ी मशक्कत

**मुंबई,** (एजेंसियां)। 1998 में, जब करण जौहर की फिल्म 'कुछ कुछ होता है' सिनेमाघरों में आई, तो इसने न सिर्फ शाहरुख खान और काजोल की जोड़ी को नई बुलंदियां दी, बल्कि एक नन्हीं सी बच्ची को भी घर-घर में मशहूर कर दिया। यह बच्ची थी सना सईद, जिसने 'छोटी अंजलि' का किरदार निभाकर दर्शकों के दिलों में अपनी मासूम मुस्कान और प्यारे डायलॉग के साथ जगह बना ली।

'पापा, आपकी दोस्त अंजलि कहां है?' डायलॉग आज भी लोगों की जुबान पर है। समय के साथ, सना ने एक ग्लैमरस और आत्मविश्वास से लबरेज अभिनेत्री के रूप में अपनी नई पहचान बनाई। यह सफर आसान नहीं था, लेकिन सना की कहानी प्रेरणा से भरी है। एक ऐसी कहानी, जहां एक कलाकार ने अपने अतीत को गले लगाते हुए अपने भविष्य को नया रंग दिया। सना सईद ने महज 8 साल की उम्र में 'कुछ कुछ होता है' में अंजलि का किरदार निभाया। इस फिल्म में उनकी मासूमियत ने दर्शकों को दीवाना बना दिया। कहानी में अंजलि अपनी मां की डायरी के जरिए अपने पिता (शाहरुख खान) को उनकी खोई हुई दोस्त से मिलाने की कोशिश करती है। सना का यह किरदार कहानी का एक अहम हिस्सा था, जिसने न सिर्फ फिल्म को भावनात्मक गहराई दी, बल्कि सना को लाखों दिलों में बसने का मौका भी दिया। बचपन में मिली इस कामयाबी ने सना को रातों रात स्टार बना दिया, लेकिन यह स्टारडम एक 'दोधारी तलवार' साबित हुआ। सना की मासूम छवि इतनी गहरी थी कि लोग उन्हें उसी रूप में देखना चाहते थे। जैसे-जैसे वह बड़ी हुईं, यह छवि उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गई। सना ने बतौर बाल कलाकार 'हर दिल जो प्यार करेगा' और 'बादल' जैसी फिल्मों में भी काम किया, लेकिन उनकी असली वापसी हुई 2012 में, जब करण जौहर की ही फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' में उन्होंने एक ग्लैमरस और बोल्ड किरदार निभाया।

# दिल और दिमाग की बीमारियों पर विशेषज्ञों ने साझा की अहम जानकारियां

**ग्रेटर नोएडा,** (एजेंसियां)। फोर्टिस अस्पताल, ग्रेटर नोएडा ने रोटरी क्लब ग्रीन्स, ग्रेटर नोएडा के सहयोग से अस्पताल प्रांगण में कार्डियोलॉजी एवं न्यूरोलॉजी पर हेल्थ टॉक का आयोजन किया। इस इंटरैक्टिव सत्र में रोटरी क्लब ग्रीन्स के सदस्य, स्थानीय निवासी और स्वास्थ्य प्रेमी शामिल हुए। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने हृदय और मस्तिष्क से जुड़ी बीमारियों की रोकथाम, शुरुआती पहचान और आधुनिक उपचार विकल्पों पर जानकारी साझा की। कंसल्टेंट कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. शांतनु सिंघल ने 'हृदय रोगों से जुड़ी आम भ्रांतियां' विषय पर कहा कि आज भी दिल की बीमारियों को लेकर गलतफहमियां मौजूद हैं, जैसे कि केवल बुजुर्गों को ही हार्ट प्रॉब्लम होती है या छाती में दर्द न होने पर दिल पूरी तरह स्वस्थ है। ये धारणाएं सही नहीं हैं। लाइफस्टाइल, खानपान, तनाव और अनुवांशिक कारणों से किसी भी उम्र में हृदय रोग हो सकता है। नियमित जांच, संतुलित आहार और व्यायाम से गंभीर जटिलताओं से बचा जा सकता है। कंसल्टेंट न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. सुनील अग्रवाल ने 'स्ट्रोक की बुनियादी जानकारी' विषय पर कहा कि स्ट्रोक अक्सर अचानक होता है। चेहरे का टेढ़ा होना, बोलने में तकलीफ या शरीर के किसी हिस्से में अचानक कमजोरी आना इसके शुरुआती लक्षण हैं। ऐसे संकेत मिलते ही तुरंत अस्पताल पहुंचना चाहिए। समय पर इलाज से मरीज का जीवन बचाया जा सकता है और भविष्य की परेशानियों से बचा जा सकता है।

इस अवसर पर सिद्धार्थ निगम, फैसिलिटी डायरेक्टर, फोर्टिस अस्पताल, ग्रेटर नोएडा ने कहा कि हम रोटरी क्लब ग्रीन्स का उनके सहयोग और सभी प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी के लिए आभार व्यक्त करते हैं। ऐसे प्रयास हमें समुदाय से जोड़ते हैं और स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने में मदद करते हैं। रोटरी क्लब ग्रीन्स, ग्रेटर नोएडा की ओर से अध्यक्ष रोटेरियन ऋषि के. अग्रवाल, सचिव रोटेरियन नितिन गर्ग और कोषाध्यक्ष रोटेरियन राहुल शर्मा ने कहा कि फोर्टिस अस्पताल के साथ मिलकर किया गया यह प्रयास वास्तव में सराहनीय और जनहितकारी है।

# बचपन में योग तंदुरुस्ती के साथ मानसिक रूप से भी बनाएगा मजबूत

### बच्चों की दिनचर्या मोबाइल, टीवी और इंटरनेट तक

**नई दिल्ली,** (एजेंसियां)। आज के समय में बच्चों की दिनचर्या मोबाइल, टीवी और इंटरनेट तक सिमटती जा रही है। उनका शारीरिक और मानसिक विकास एक बड़ी चुनौती बन गया है। ऐसे में आयुष मंत्रालय योगासन और प्राणायाम को जीवन में शामिल करने पर जोर देता है, जो शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक रूप से मजबूत बनाता है।

आयुष मंत्रालय के मुताबिक, जब कोई बच्चा नियमित रूप से योग करता है, तो उसका शरीर मजबूत होता है, मन शांत रहता है, और सोचने-समझने की ताकत बढ़ती है। बचपन में अगर योग को दिनचर्या में शामिल कर लिया जाए, तो वह आदत बन जाती है और उम्रभर काम आती है। ऐसे कई योगासन हैं, जो बच्चों के लिए सरल और सुरक्षित हैं। इनकी मदद से उनका कद, पाचन तंत्र, एकाग्रता और आत्मविश्वास जैसी कई चीजों में मजबूती आती है।

**ताड़ासन** - ताड़ासन लंबाई बढ़ाने में बेहद मददगार माना जाता है। इस आसन में बच्चे पंजों के बल खड़े होकर हाथों को ऊपर की ओर खींचते हैं। इससे उनकी रीढ़ की हड्डी सीधी होती है और पूरे शरीर में खिंचाव आता है। यह खिंचाव शरीर की लंबाई बढ़ाने में मदद करता है। साथ ही जब बच्चा सांस की गति पर ध्यान देता है, तो उसका मन भी शांत होता है।

**वृक्षासन** - वृक्षासन में जब बच्चा एक पैर पर खड़ा होता है, तो वह ध्यान केंद्रित करता है, जिससे उसकी एकाग्रता में सुधार होता है। यह न केवल पढ़ाई में बल्कि बाकी कामों में भी मदद करता है। इनके अलावा, पादहस्तासन, वक्रासन और पश्चिमोत्तानासन जैसे आसन बच्चों के लिए बेहद फायदेमंद हैं। ये आसन बच्चों की भूख बढ़ाते हैं। जब बच्चा ठीक से खाएगा, तो उसका शारीरिक विकास भी अच्छा होगा। इसके अलावा, इन आसनों से शरीर का मेटाबॉलिज्म तेज होता है, जिससे ऊर्जा बनी रहती है और बीमारियों से लड़ने की ताकत भी बढ़ती है।

# दादा साहब फाल्के पुरस्कार मिलने की घोषणा के बाद अभिनेता मोहनलाल ने मां से लिया आशीर्वाद

**कोच्चि,** (एजेंसियां)। मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल को दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा के बाद से ही उनके फैंस के बीच खुशी की लहर है। इस घोषणा के बाद मोहनलाल मां का आशीर्वाद लेने के लिए कोच्चि में अपने घर पहुंचे। कोच्चि एयरपोर्ट पर उन्होंने मीडिया को भी संबोधित किया। अभिनेता मोहनलाल कोच्चि के नेदुम्बसरी हवाई अड्डे पर उतरे और सीधे राजीव नगर रोड, एलमक्कारा स्थित अपने निवास 'श्री गणेश' पहुंचे। वहां उन्होंने अपनी मां शांताकुमारी अम्मा से मुलाकात की और कुंदनूर स्थित अपने फ्लैट में जाने से पहले उनका आशीर्वाद लिया। हवाई अड्डे पर मोहनलाल ने मीडिया बात करते हुए कहा कि यह सम्मान सिर्फ मेरा नहीं है, यह मलयालम सिनेमा का सम्मान है। मैं यह पुरस्कार उस उद्योग को समर्पित करता हूं, जिसने मुझे आकार दिया और उन लोगों को, जिन्होंने इस 48 साल के सफर में मेरा साथ दिया। इस दौरान मोहनलाल भावुक हो गए। उन्होंने ईश्वर, अपने माता-पिता, अपने देश और उस समिति के प्रति आभार व्यक्त किया, जिसने उन्हें इस पुरस्कार के लिए चुना। मोहनलाल ने कहा कि यह मेरे जीवन की सबसे बड़ी खुशी है। मैं ईश्वर, अपने प्रशंसकों, अपने माता-पिता और इस देश का हर चीज के लिए शुक्रिया अदा करता हूं। मैं उन सभी लोगों के प्यार और प्रार्थनाओं को सबसे बढ़कर याद करता हूं जो इन वर्षों में मेरे साथ रहे। इससे अगली पीढ़ी को बड़े सपने देखने और कड़ी मेहनत करने का प्रोत्साहन मिलेगा। मैं कामना करता हूं कि मलयालम सिनेमा और भी बड़ी उपलब्धियां हासिल करते रहे। सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का दो बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीत चुके मोहनलाल साढ़े चार दशकों से दर्शकों का मनोरंजन कर रहे हैं। मलयालम से लेकर तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और हिंदी फिल्मों तक में उनका जलवा देखने को मिला है।

# मोटे अनाजों की प्राकृतिक खेती से संवर रही सुमन की जिंदगी

**लखनऊ,** (एजेंसियां)। कभी छोटी जोत की किसान परिवार की बहू रही सुमन देवी आज पूरे वाराणसी में 'कृषि सखी' के नाम से जानी जाती हैं। मिशन शक्ति के जरिए प्रदेश की महिलाओं के लिए प्रेरणा बनी सुमन देवी नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन की नई कहानी लिख रही हैं। वाराणसी जिले के सेवापुरी ब्लॉक के मड़ैया गांव की रहने वाली सुमन ने योगी सरकार की मदद से न सिर्फ अपने परिवार को आर्थिक मजबूती दी, बल्कि हजारों महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में नई राह दिखाई है। योगी सरकार से मोटे अनाजों के बीज और तकनीकी सहयोग मिलने के बाद सुमन ने 2019 में प्राकृतिक खेती का रास्ता चुना और आज उनकी पहचान पूरे प्रदेश में मिसाल बन गई है।

प्रदेश सरकार मोटे अनाजों को बढ़ावा देने के लिए किसानों को बीज और तकनीकी सहायता उपलब्ध करा रही है। इसी से प्रेरित होकर सुमन देवी ने खेती का तरीका बदला और प्राकृतिक खेती को अपनाया।

सुमन देवी ने अपने ढाई एकड़ खेत में मक्का, बाजरा और राई जैसे मोटे अनाजों की खेती प्राकृतिक तरीके से शुरू की। योगी सरकार का सहयोग मिला, जिससे खेती में लागत कम रही और मुनाफा उम्मीद से कहीं ज्यादा। अब सुमन हर सीजन में तीन लाख रुपए से अधिक का फायदा कमा रही हैं। वह बड़े गर्व से बताती हैं कि योगी सरकार की सहायता और योजनाओं की जानकारी ने जिंदगी बदल दी। पहले सोच भी नहीं सकते थे कि इतनी कम जमीन से इतनी बड़ी आमदनी होगी। सुमन देवी की सफलता से प्रेरित होकर आसपास की 5,000 से अधिक महिलाएं स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से उनके साथ जुड़ गईं। ये महिलाएं अपने अनाज और सब्जियां सुमन के माध्यम से बेचती हैं। पैकेजिंग, प्रसंस्करण और बाजार तक पहुंचाने का काम भी सामूहिक रूप से किया जाता है। इस मॉडल ने ग्रामीण महिलाओं के लिए आर्थिक स्वतंत्रता और सामूहिक उद्यमिता का रास्ता खोला है।

सुमन ने अपने गांव में ही चक्की यूनिट स्थापित की है। यहां मोटे अनाजों की पिसाई कर मल्टीग्रेन आटा तैयार किया जाता है। यह आटा ग्राहकों की मांग के अनुसार खुला और पैक दोनों रूपों में उपलब्ध कराया जाता है। स्थानीय बाजार में तो यह उत्पाद तुरंत बिक जाता है, वहीं पैकिंग के जरिए भी कई ग्राहक इसे पसंद कर रहे हैं। सुमन कहती हैं कि मेरे पास ग्राहकों की बड़ी संख्या है। उत्पाद इतना पसंद किया जाता है कि खेती की जोत कम पड़ जाती है।

हर सीजन में अनाज तुरंत बिक जाता है। अभी हाल में मक्के की खेती हुई, अब इसमें राई की बुआई हुई है। अनाज तैयार होते ही कई अन्य अनाजों के साथ इसे मल्टीग्रेन आटा के रूप में बाजार में उपलब्ध कराया जाता है। इलाके के ज्यादातर ग्राहक चक्की से ही आटे खरीद लेते हैं। सुमन देवी केवल मोटे अनाजों तक सीमित नहीं हैं। वह गो-पालन भी करती हैं, जिससे दूध और दुग्ध उत्पादों से आय का अतिरिक्त साधन जुड़ा है। इसके साथ ही उन्होंने स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के साथ मिलकर प्राकृतिक सब्जी उत्पादन भी शुरू किया है।

# रंगों वाली भक्ति : नवरात्रि के नौ रंग और उनका देवी स्वरूपों से संबंध

**नई दिल्ली,** (एजेंसियां)। नवरात्रि सिर्फ व्रत और पूजा का पर्व नहीं है। यह आत्मा के रंगों को देवी के रूप में देखने और उन्हें अपने जीवन में उतारने का समय भी है। हर दिन एक देवी, हर देवी एक भाव, और हर भाव का एक रंग। यही है 'रंगों वाली नवरात्रि' की असली आत्मा। हालांकि देवी पुराण या धार्मिक ग्रंथों में इसका कोई उल्लेख नहीं मिलता, लेकिन जब प्रश्न आस्था का हो और मां के गुणों का हो, तो भक्त खुद को कैसे अलग रख पाएगा?

तो आइए देखें किस दिन किस देवी की पूजा होती है और उनके गुणों के अनुसार कौन-सा रंग उनके लिए उपयुक्त होता है।

**शैलपुत्री**- प्रतिपदा को नौ दुर्गे के प्रथम रूप देवी शैलपुत्री का पूजन होता है। देवी पर्वतराज हिमालय की पुत्री हैं, जो स्थिरता, शक्ति और नए आरंभ की प्रतीक हैं। शायद इसलिए पीले रंग से शुरुआत होती है, ऐसा रंग जिससे जीवन में उत्साह, ऊर्जा और सकारात्मक सोच का संचार होता है, ठीक वैसे जैसे सूरज की पहली किरण होती है। द्वितीया को मां के ब्रह्मचारिणी स्वरूप को पूजा जाता है। मां ब्रह्मचारिणी कठोर तप की देवी हैं। उनका जीवन संयम, साधना और अध्यात्म से जुड़ा है इसलिए हरा रंग उनकी पहचान है। ऐसा रंग जो शांति और आत्म-संयम का प्रतीक है।

तृतीया को मां चंद्रघंटा की आराधना होती है। उनके मस्तक पर घंटे के आकार का अर्धचंद्र है और इसलिए उनको ये नाम मिला है।

उनके दस हाथ हैं जिनमें शस्त्र होते हैं और उनका वाहन सिंह है। मां शांति, स्थिरता और जमीन से जुड़ी हैं, इसलिए ग्रे या स्लेटी रंग, जो संतुलन का माना जाता है, भक्तगण पहनने की कोशिश करते हैं। यह रंग संतुलन के साथ ही सौम्यता का भी प्रतिनिधित्व करता है, जो मां चंद्रघंटा के गुणों से मेल खाता है, जहां शक्ति भी है और शांति भी।

चतुर्थी को मात कूष्मांडा पूजी जाती हैं। मां ब्रह्मांड की रचयिता और आदिशक्ति मानी जाती हैं। उनके गुणों से नारंगी रंग मेल खाता है, जो सृजन और शक्ति का रंग है। यह आत्मविश्वास, क्रिएटिविटी और ऊर्जावान जीवन का प्रतीक है। नवरात्रि के पांचवें दिन स्कंदमाता की पूजा होती है। ममता निश्चल होती है, इसलिए इस दिन श्वेत रंग को तरजीह दी जाती है। ये रंग ममता और पवित्रता का है। देवी स्कंदमाता को ममता और करुणा की देवी माना जाता है। और सफेद रंग शांति, सरलता और निर्मलता का प्रतीक है। षष्ठी मां कात्यायनी को समर्पित है। मां साहस और प्रेम का प्रतीक हैं। उन्होंने असुरों का वध किया था इसलिए साहस और प्रेम का रंग लाल उनके गुणों से मेल खाता है। मां असुरों का वध करने वाली शक्तिशाली देवी हैं। लाल रंग वीरता, प्रेम और शक्ति का प्रतिनिधित्व करता है। सप्तमी को कालरात्रि का स्मरण और ध्यान किया जाता है। वह भयंकर अंधकार और भय का विनाश करने वाली देवी हैं, इसलिए उनके इन गुणों को परिलक्षित करता है नीला रंग, ऐसा रंग जो रहस्य के साथ सुरक्षा का भी पर्याय है। गहरा नीला रंग सुरक्षा, गहराई, और आंतरिक शक्ति को दर्शाता है।

महागौर्यै नमः! अष्टमी को देवी के आठवें स्वरूप, मां महागौरी, की पूजा की जाती है। मां महागौरी सौम्यता और पवित्रता की देवी हैं। गुलाबी रंग कोमलता और कृपा को दर्शाता है। ये रंग करुणा, स्नेह और स्त्रीत्व का रंग है। नवमी, सिद्धि दायिनी, मां सिद्धिदात्री को समर्पित है। जैसा कि नाम से विदित होता है, मां का संबंध सिद्धि से है और सिद्धि ज्ञान से ही अर्जित की जा सकती है।

## संपादक की कलम से

# हमारे भीतर की संवदेना से जुड़ जाते हैं इसके तार

हम अक्सर शहर-दर-शहर घूमते रहते हैं। कोई शहर हमें बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगता, तो कोई इतना प्यारा लगता है कि वहां से जाने का मन ही नहीं करता। कोई शहर हमें तुरंत भगा देता है, यानी हम वहां से चले जाना चाहते हैं तो कोई इसी अर्थ में बार-बार रुकने का आग्रह करता है। क्या कभी हमने सोचा है कि आखिर क्या है इन शहरों में जो बार-बार हमारे भीतर उथल-पुथल पैदा करते हैं।

वास्तव में हर शहर की अपनी एक तासीर होती है। जिस शहर से हमारे भीतर की संवदेना के तार जुड़ जाते हैं, वह शहर हमें अच्छा और भला लगने लगता है। संवेदना के तार आखिर क्या बला हैं? ये मन की वे कोमल भावनाएं होती हैं, जो हमारे दिल को दूसरों के दिलों से जोड़ती हैं। कई बार हमारे साथ ऐसा भी होता है कि किसी अजनबी शहर में गए, तो वहां जाते ही हमारे साथ कुछ ऐसा घटित हो गया, जिसे नहीं होना चाहिए था। हमने बहुत उम्मीद और विश्वास के साथ उस शहर में प्रवेश किया था, लेकिन किसी एक घटना ने हमारी आशाओं पर पानी फेर दिया, हमारे विश्वास को तोड़ दिया। हम उस शहर के लोगों पर विश्वास करना छोड़कर उस शहर को ही छोड़ देते हैं।

दूसरी ओर, कुछ शहर ऐसे होते हैं, जहां हमें हर जगह अपनापन मिलता है। वहां हर कोई अपना ही लगता है। अजनबी भी हमसे अपनों की तरह बात करते हैं। चारों ओर मुस्कराते चेहरे हमें भले लगते हैं। ऐसे में भला कौन चाहेगा, उस शहर को छोड़ना? पर सभी शहरों के साथ एक ही बात है। वह यही कि एक निश्चित समय बाद हमें उस शहर को छोड़कर जाना ही होता है, क्योंकि हमें भीतर से हमारा शहर पुकारता है। वास्तव में अपना शहर हमारे भीतर कुलांचें मारता है। हमें गोद में लेकर दुलारता है। बरसों से इसी दुलार को पाकर हम बड़े हुए। यह हमें अपनों की याद दिलाता है। एक उम्र के बाद हम दूसरे शहर में जाते हैं, जहां हमारी रोजी-रोटी जुड़ी होती है। पहले तो हमारे अतीत का शहर हमारे भीतर होता है, जिसे हम निकाल नहीं पाते। धीरे-धीरे हमारी रोजी-रोटी वाला शहर हमारे दिल में जगह बनाने लगता है। कुछ बरस बाद हम याद करते हैं कि इस शहर ने हमें क्या-क्या दिया। क्या लेकर आए थे इस शहर में और अब हमारे पास क्या नहीं है! एक संतुष्टि का भाव हमारे भीतर होता है।

इसके बाद हम तुलना करने लगते हैं अपने बचपन के शहर से। बचपन का शहर हमारे भीतर कहीं छिपा हुआ होता है। वह हमारे रोजी-रोटी वाले शहर से किसी तरह की प्रतिस्पर्धा नहीं करता। वह जानता है कि मैंने जिसे पाला-पोसा, जिसका लालन-पालन किया, उसे इस शहर ने खड़ा होना सिखाया। मैं इसका अतीत हूं, तो यह उसका वर्तमान है। इस तरह व्यक्ति के भीतर कई शहर समाए होते हैं। सब मिलजुल कर ऐसे रहते हैं, मानों एक ही शहर में रह रहे हों। कई शहर मिलकर एक महानगर की शक्ल ले लेते हैं।

अपना शहर छोड़ना एक त्रासद स्थिति है। पर दूसरा शहर चुनौतियों के साथ हमें बुलाता रहता है। अपने शहर में चुनौतियां नहीं होतीं। वहां के सारे काम हमारी जगहों और लोगों की पहचान के कारण आसानी से हो जाते हैं। दूसरा शहर हमें अपनाने से पहले परीक्षा लेता है। हमें अपने अनुकूल बनाता है। इसलिए नौकरी पर दूसरे शहर जाते ही दुश्वारियों का दौर शुरू हो जाता है। कदम-कदम पर परेशानियां हमारा इंतजार करती होती हैं। ये परेशानियां हमारी परीक्षाएं होती हैं, जिन्हें हमें पास करना ही होता है। यह दूसरा शहर हमें चैन से बैठने भी नहीं देता। एक के बाद एक बाधाएं आती ही रहती हैं।

शहरों में कौन-सा शहर प्यारा है, अगर इसकी सूची बनाएं, तो हमारे बचपन के शहर से कहीं ज्यादा हमें चुनौतियां देने वाला शहर प्यारा लगता है। यही शहर है, जिसने जीना सिखाया। यही शहर है, जिसने यह बताया कि भविष्य की अन्य चुनौतियों से भी तुम पार पाओगे। जीवन के तीसरे पड़ाव पर एक शहर और होता है, जहां हम अपने परिवार के साथ रहते हैं। सेवानिवृत्ति के बाद वाला यह शहर काफी सुकून देने वाला होता है। इस शहर तक पहुंचते-पहुंचते शरीर साथ देना छोड़ देता है। अब वैसी भाग-दौड़ नहीं हो पाती। कई कार्यों के लिए बच्चों का सहारा लेना होता है। यह वृद्धावस्था का शहर होता है। जहां सुकून होता है, अपनों का साथ होता है। हम अपनों के बीच रहते हैं, अपनापन बांटते हैं। इस तरह से जीवन के तीन शहर हुए। पहला दुलारने वाला, दूसरा रोजी-रोटी देने वाला और तीसरा सुकून देने वाला। इंसान की जिंदगी इन तीनों शहरों में सिमट कर रह जाती है। चुनौतियां देने वाले शहर सदैव याद रखे जाते हैं। हम याद करें कि कौन-सा शहर हमें याद आता है। वही, जहां हम पग-पग पर मुश्किलें झेलते थे। आखिरी शहर जीवन के आखिरी पड़ाव की तरह होता है, जहां केवल निवृत्ति की बातें होती हैं। तब अपनों का घेरा बहुत बड़ा हो जाता है। पर अपनेपन का घेरा छोटा हो जाता है। पर्यटन वाले शहर क्षणिक याद आते हैं। बचपन का शहर कुलांचे मारता रह जाता है, लेकिन हमें गढ़ने वाला शहर हमारे भीतर ही बस जाता है। यही है शहर और शहरों की तासीर और उसमें गुंथे संवेदना के तार।

# देवी शक्ति के नौ रूपों की उपासना का पर्व शारदीय नवरात्र

संजय सक्सेना

**शारदीय नवरात्र का सबसे महत्वपूर्ण पहलू व्रत, उपवास और संयम है। उपवास केवल अन्न का त्याग ही नहीं, बल्कि विषय-वासना और नकारात्मक भावनाओं से भी दूरी बनाने का साधन माना गया है। पारंपरिक रूप से श्रद्धालु इस अवधि में फलाहार करते हैं और माँ दुर्गा को अर्पित किए जाने वाले प्रसाद का सेवन करते हैं। धर्मशास्त्रों में उल्लेख है कि इस समय मनुष्य की इच्छाशक्ति और मानसिक दृढ़ता को शक्ति मिलती है। साथ ही, शरीर को भी शुद्ध करने के लिए यह उपवास सहायक होता है, क्योंकि ऋतु परिवर्तन के समय साधारण भोजन की अपेक्षा हल्का और सात्त्विक आहार स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है।**

भारत भूमि को विश्व में उस संस्कृति के लिए जाना जाता है, जिसमें प्रकृति, शक्ति और तन-मन का संतुलन सर्वोच्च स्थान पर है। इस परंपरा के केंद्र में देवी शक्ति के विविध रूपों की पूजा और साधना का विशेष महत्व रहा है। इन्हीं महान पर्वों में से एक है 'शारदीय नवरात्र', जो आश्विन मास में प्रतिपदा तिथि से आरंभ होकर नौ दिनों तक चलता है और विजयादशमी को संपन्न होता है।आज इसका प्रथम दिन माँ शैली पुत्री को समर्पित है। यह पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान का काल नहीं, बल्कि साधना, संयम और आत्मशुद्धि का उत्सव माना जाता है। सनातन परंपरा में वर्ष भर चार नवरात्रों का उल्लेख है। चैत्र, आषाढ़, आश्विन और माघ। इनमें से चैत्र और शारदीय नवरात्र अधिक प्रसिद्ध और व्यापक रूप से मनाए जाते हैं। शारदीय नवरात्र शरद ऋतु की शुरुआत में आता है। यह केवल ऋतु परिवर्तन का संकेत नहीं, बल्कि प्रकृति और मानव जीवन में संतुलन साधने का काल माना जाता है। धार्मिक दृष्टि से यह नौ दिन देवी शक्ति के नौ रूपों की उपासना के लिए समर्पित होते हैं। कहा जाता है कि देवी सृष्टि में प्रेरणाशक्ति हैं और उन्हीं की साधना से मनुष्य के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा, साहस और विजय की प्राप्ति होती है।

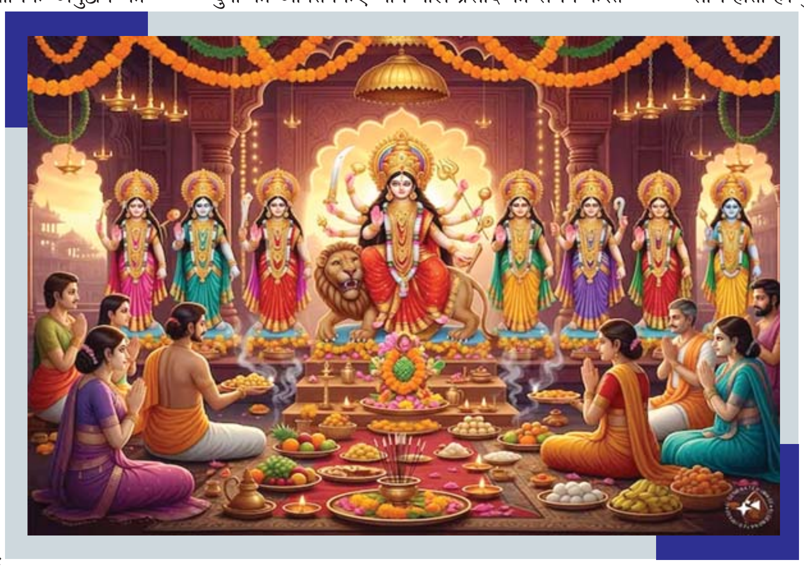

नवरात्र के प्रत्येक दिन देवी के अलग-अलग स्वरूप की पूजा होती है। प्रथम दिन पर्वतराज हिमालय की शैलपुत्री की पूजा होती है,जिनसे श्रद्धा और स्थिरता का संदेश मिलता है। दूसरे दिन मॉं ब्रह्मचारिणी' की, तीसरे दिन माँ चंद्रघंटा चौथे दिन दिन मॉं कूष्मांडा पांचवे दिन स्कंदमाता'' छठे दिन माँ कात्यायनी' सातवें दिन माँ कालरात्रि आठवें मॉं महागौरी और नौवें और अंतिम दिन माँ सिद्धिदात्री की पूजा होती है। मॉं के इन नौ रूपों की उपासना मानव जीवन को स्थिरता, संयम, साहस, नवसृजन, करुणा, धर्मरक्षा, भयमुक्ति, पवित्रता और सिद्धि से संपन्न होने के लिये की जाती है।

शारदीय नवरात्र का सबसे महत्वपूर्ण पहलू व्रत, उपवास और संयम है। उपवास केवल अन्न का त्याग ही नहीं, बल्कि विषय-वासना और नकारात्मक भावनाओं से भी दूरी बनाने का साधन माना गया है। पारंपरिक रूप से श्रद्धालु इस अवधि में फलाहार करते हैं और माँ दुर्गा को अर्पित किए जाने वाले प्रसाद का सेवन करते हैं। धर्मशास्त्रों में उल्लेख है कि इस समय मनुष्य की इच्छाशक्ति और मानसिक दृढ़ता को शक्ति मिलती है। साथ ही, शरीर को भी शुद्ध करने के लिए यह उपवास सहायक होता है, क्योंकि ऋतु परिवर्तन के समय साधारण भोजन की अपेक्षा हल्का और सात्त्विक आहार स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है।

नवरात्र के बाद दशम दिन 'विजयादशमी' मनाई जाती है। यह दिन बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। पौराणिक कथाओं के अनुसार इसी दिन देवी दुर्गा ने महिषासुर का वध किया था। इसी दिन भगवान राम ने रावण पर विजय पाई थी। विजयादशमी इसलिए केवल धार्मिक पर्व ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से भी महत्वपूर्ण है। यह संदेश देता है कि अंततः सत्य की ही विजय होती है।

बहरहाल, देश के विभिन्न हिस्सों में शारदीय नवरात्र अलग-अलग रूपों में मनाया जाता है। उत्तर भारत के मंदिरों में सप्तशती पाठ और अखंड दुर्गा पूजा की परंपरा है। बंगाल और पूर्वी भारत में दुर्गा पूजा भव्य पंडालों, मूर्ति स्थापन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ होती है। गुजरात में गरबा और डांडिया की विशेष परंपरा रही है, जहाँ स्त्री-पुरुष शक्ति स्वरूपा माँ की आराधना करते हुए नृत्य में भाग लेते हैं। बिहार और उत्तर प्रदेश में रामलीला और रावण-दहन का आयोजन होता है। इन सभी रूपों में एक ही भाव छिपा होता है बुराई पर अच्छाई की विजय और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार।

शारदीय नवरात्र केवल आस्था का पर्व ही नहीं, बल्कि जीवन को अनुशासित करने का अवसर भी है। वैज्ञानिक दृष्टि से देखें तो ऋतु परिवर्तन के समय उपवास और सात्विक आहार शरीर को स्वास्थ्य देता है। ध्यान और जप मनःशांति प्रदान करते हैं। आध्यात्मिक दृष्टि से यह पर्व आत्मशुद्धि और ईश्वर से एकात्म होने का उत्तम समय है। साधना और उपासना का यह क्रम मनुष्य को भीतर से मजबूत करता है और जीवन की कठिनाइयों से जूझने का साहस देता है। शारदीय नवरात्र केवल नौ दिनों का धार्मिक आयोजन भर नहीं, बल्कि भारत की सनातन संस्कृति का जीवंत प्रतीक है। यह पर्व व्यक्ति को आत्मसंयम, आध्यात्मिक साधना और सांस्कृतिक समृद्धि का संदेश देता है। नौ दिनों की भक्ति और साधना के पश्चात विजयदशमी का उत्सव हर मानव को यह प्रेरणा देता है कि चाहे जीवन में कितने ही संघर्ष क्यों न आएं, सत्य, धर्म और सद्गुण की विजय अवश्य होती है।

# तिहाड़ में खूंखार अपराधियों-आतंकियों की कब्रों पर 'आस्था' का सैलाब

अजय कुमार

दिल्ली की तिहाड़ जेल जो एशिया की सबसे बड़ी और सुरक्षित मानी जाने वाली जेल है, उसके भीतर हाल में एक ऐसा शर्मनाक और विचलित करने वाला दृश्य सामने आया है जिस पर समाज के हर जिम्मेदार नागरिक को गहराई से सोचने की आवश्यकता है। यह वही जेल है जहां देश के सबसे खूंखार आतंकवादी, अपराधी और दुर्दांत कैदी रखे जाते हैं। परंतु आश्चर्यजनक यह है कि यहां इन अपराधियों और आतंकवादियों के लिए कब्र के रूप में एक व्यवस्था खड़ी हो गई है और वहां का माहौल किसी मेले की तरह बना दिया गया है। जो स्थान अपराधियों और आतंकियों की धूर्तता और दहशत का प्रतीक होना चाहिए, वही अब उनके तथाकथित महिमामंडन का स्थल बन रहा है। दिल्ली की अदालतों में इस बाबत याचिकाएं भी दर्ज की गई हैं जिनमें इसे रोकने और इस पर ठोस नकेल कसने की मांग की गई है। मामला ऐसा है कि तिहाड़ जेल परिसर के भीतर कुछ अपराधियों और आतंकवादियों की मौत के बाद उनकी कब्र बनाई गई। समय के साथ इन कब्रों के आसपास स्थानीय स्तर पर एक भीड़ जुटने लगी और अंध विश्वास के चलते लोगों ने इसे आस्था का केंद्र बना डाला। जिन अपराधियों ने समाज को हिंसा, आतंक और खूनखराबे के सिवा कुछ नहीं दिया, आज उन्हीं की कब्रों पर श्रद्धांजलि देने, फूल चढ़ाने और मन्नत मांगने का ढोंग हो रहा है। कोई इसे अपने कारोबार के लिए शुभ मान रहा है तो कोई अपने निजी मामलों के लिए चमत्कार की उम्मीद लगाए बैठा है। इससे भी अधिक चिंताजनक यह कि अपराधियों के नाम पर बने इन स्थलों पर जुट रही भीड़ में अपराधियों की छवि को नायक का रूप दिया जा रहा है।

भारतीय न्याय व्यवस्था और संविधान ने हमेशा यह स्पष्ट रूप से कहा है कि अपराधी चाहे कितना बड़ा क्यों न हो, उसके साथ न्यायिक प्रक्रिया के तहत व्यवहार किया जाना चाहिए। लेकिन तिहाड़ जैसे संवेदनशील स्थल के भीतर खून से रंगे हाथों वाले अपराधियों की कब्र पर हो रहा यह जमावड़ा न्याय और समाज, दोनों के लिए सबसे बड़ा अपमान है। यह वह जेल है जहां आतंकी साजिश रचने वाले, देशद्रोह करने वाले, निर्दोषों का कत्ल करने वाले और संगठित आपराधिक गैंग चलाने वाले कैद होकर अपने अपराधों की सजा भुगतते रहे। मगर उनकी मृत्यु के बाद कब्रों को पूजा स्थल बना देना उस व्यवस्था की सबसे बड़ी विफलता है जो सुरक्षा और सुधार के नाम पर चल रही है। इस पूरे घटनाक्रम को अदालत में चुनौती दी गई है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि तिहाड़ जेल जैसे अत्यंत संवेदनशील स्थान पर अपराधियों और आतंकियों के नाम पर कब्रें बनाना और वहां मेला-जैसा माहौल बनाना न केवल कानून के विरुद्ध है बल्कि पूरे समाज में अपराध और आतंक के प्रति गलत संदेश देता है। अदालत में दिए गए तर्कों में यह भी कहा गया कि अपराधियों का जत्था हमारे समाज का आदर्श नहीं बन सकता, फिर उनकी कब्र को किसी तरह की मान्यता देना न्याय और अपराध, दोनों के बीच की रेखा को धुंधला कर देगा। अदालत से यह मांग की गई है कि जेल परिसर से इन कब्रों को हटाया जाए और इस प्रकार की गतिविधियों पर सख्ती से रोक लगाई जाए। तिहाड़ जेल प्रशासन भी इस मामले में कठघरे में खड़ा है। यह सवाल स्वाभाविक है कि आखिर प्रशासनिक चूक के चलते ऐसी कब्रें कैसे बनने दी गईं और वहां भीड़ जुटने से रोकने के लिए उचित और समय पर कदम क्यों नहीं उठाए गए। देश की सबसे बड़ी जेल से इस प्रकार की खबर बाहर आना प्रशासनिक लापरवाही का ही सुबूत है। यदि अपराधियों का महिमामंडन जेल के भीतर ही होने लगे और लोग उन्हें पूजने लगें, तो इसका सीधा असर जेल की सुरक्षा, कानून व्यवस्था और समाज की मनोवृत्ति पर पड़ेगा।

समाजशास्त्र के विशेषज्ञ इसे अत्यंत खतरनाक बताते हैं। उनका कहना है कि अपराधियों को किसी भी रूप में आदर्श या नायक बनाने की प्रक्रिया नई पीढ़ी के भीतर विकृत आदर्श गढ़ने का काम करती है। आज तिहाड़ जेल के भीतर जो हो रहा है, वह आने वाले कल में युवाओं के लिए यह संदेश देगा कि अपराध करके भी कोई मौत के बाद समाज में महिमामंडित हो सकता है। यह वह मानसिकता है जो अपराध को पनाह देती है और कानून के शासन को कमजोर करती है। इन कब्रों पर जुटने वाले लोगों में से कई ऐसे भी हैं जो अपराधियों की दबंग छवि से प्रभावित होकर उनसे प्रेरणा लेने की बात करते हैं। यह स्थिति केवल व्यक्तिगत स्तर पर खतरनाक नहीं है बल्कि समाज की व्यापक संरचना के लिए भी घातक है। अपराधियों और आतंकवादियों की छवि को महिमामंडित किया जाना उस दर्द और ग़म का अपमान है जो उनके पीड़ितों ने भोगा। जिन परिवारों ने अपने प्रिय जनों को आतंक और अपराध की भेंट चढ़ते देखा है, उनके लिए यह दृश्य और अधिक कचोटने वाला होगा जब वे देखेंगे कि उन्हीं अपराधियों और आतंकियों की कब्रों पर फूल चढ़ाए जा रहे हैं। इस तरह के दृश्य यह भी बताते हैं कि हमारे समाज में अंधविश्वास और गलत नायकों को पूजने की प्रवृत्ति किस हद तक गहरी है। यह स्थिति केवल तिहाड़ जेल तक सीमित नहीं रह सकती, बल्कि आने वाले समय में देश के अन्य हिस्सों में भी अपराधियों को नायक बनाने की संस्कृति को बढ़ा सकती है। इससे रोकथाम करना केवल प्रशासन की ही जिम्मेदारी नहीं है बल्कि आम नागरिकों को भी यह समझना होगा कि अपराधियों को किसी भी रूप में पूजना एक सामाजिक अपराध है।

अदालत में दर्ज याचिकाओं पर सुनवाई जारी है और अदालत ने प्रशासन से जवाब मांगा है कि आखिरकार किस आधार पर इन कब्रों को बनने दिया गया और वहां आस्था के नाम पर भीड़ इकट्ठा होने से क्यों नहीं रोका गया। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि इसमें प्रशासन की कोई मिलीभगत पाई गई तो जिम्मेदार अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह फैसला आने वाले समय में इस प्रकार की घटनाओं के लिए मिसाल बनेगा। तिहाड़ जेल का मामला हमें यह याद दिलाता है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था और न्यायिक प्रणाली का सबसे बड़ा उद्देश्य समाज को अपराध और भय से मुक्त रखना है। जब उस व्यवस्था की सबसे प्रतिष्ठित जेल ही अपराधियों का महिमामंडन करने लगे तो यह हमारे लिए चेतावनी की तरह है। ऐसे में आवश्यक है कि तुरंत कठोर कदम उठाकर इन कब्रों को हटाया जाए, वहां जुट रहे जमावड़े को पूरी तरह से रोका जाए और अपराधियों की किसी भी प्रकार से पूजा करने की प्रवृत्ति को कानून के दायरे में अपराध मानकर कार्रवाई की जाए। देश के करोड़ों नागरिक उम्मीद लगाए बैठे हैं कि अदालत इस मसले पर कठोर निर्णय लेगी और प्रशासन अपनी लापरवाही का प्रायश्चित करेगा। क्योंकि यह केवल जेल प्रशासन या अदालत का विषय नहीं है, बल्कि पूरे समाज के सम्मान और न्याय की रक्षा से जुड़ा हुआ मामला है। खून से सनी कहानियों वाले अपराधियों को नायक या संत का चोला पहनाना भारतीय समाज के लिए सबसे बड़ी शर्मनाक स्थिति है। अब समय आ गया है कि इस स्थिति को निर्णायक रूप से रोका जाए और तिहाड़ जैसे नामचीन स्थल पर कानून और न्याय की ही सत्ता कायम हो।

# ध्वनि का प्राणी शरीर पर प्रभाव

यह जानकर खुश होगें की ध्वनि का प्रभाव प्रत्येक जीव के शरीर पर पड़ता है। वर्तमान औधोगिकी करण और तकनीकि से ध्वनि प्रदूषण अधिक मात्रा में बढ़ रहा है। इस ध्वनि प्रदूषण के परिणाम देखते हुये नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. राबर्ट कॉक ने सन् 1925-26 में एक बात कही थी एक दिन ऐसा आयेगा, जब पूरे विश्व में स्वस्थ्य का सबसे बड़ा शत्रु ध्वनि प्रदूषण होगा। यह ध्वनि प्रदुषण दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। मानव का मन, मस्तिष्क और शरीर बहुत संवेदन शील हैं। यह ध्वनि तरगों के प्रति भी बेहद संवेदन शील है। जैसे जब कोई संगीत सहित, गीत गाता है,या वाद्य बजाता है तो मन अपने आप उस पर केन्द्रित हो जाता है उसे सुनते ही अंग-अंग थिरकने लगता है, मन प्रसन्नता से भर जाता है, शरीर में आनंद की लहर छा जाती है। इसके विपरीत कानो को अप्रिय लगने वाली तेज ध्वनि सुनाई देती है तब मानव को शारीरिक और मानसिक दोनो तरह की परेशानी होती है। जिससे व्यक्ति का मानसिक संतुलन बिगड़ जाता है एवं स्वस्थ्य खराब हो जाता है। वह बहरा और पागल भी हो सकता है।

डेसी बल ध्वनि की तीब्रता नापने की इकाई है। इसका अविष्कार 'ग्राहमबेल' बैज्ञानिक ने किया था। आधुनिक वैज्ञानिकों का कहना है कि 150 डेसीबल की ध्वनि बहरा भी बना सकती है। 160 डेसीबल की ध्वनि त्वचा जला देती है। 180 डेसीबल की ध्वनि मौत की नींद सुला सकती है। 120 डेसीबल की ध्वनि ह्दयगति बढ़ना प्रारंभ हो जाती है। जिससे ह्दय रोग एवं उच्च रक्त चाप की बीमारी जन्म लेती है। हर मानव को 60 डेसीबल तक की ध्वनि वाले वातावरण में रहना चाहिए प्रदूषण की श्रेणी में 75 डेसीबल से अधिक की ध्वनि शोर आता है। ध्वनि प्रदुषण से आंखों की पुतली का मध्य छिद्र फैल जाता है, आमाशय और ऑतों पर घातक प्रभाव से पाचन क्रिया बिगड़ जाती है। इससे शरीर की प्रति रोधी क्षमता घट जाती है, ग्रनथियों से हार्मोन्स का श्राव अनियमित हो जाता है, स्नायु खिच जाते है, शरीर में थकान, मानसि तनाव, चिड़चिड़ापन, अनिद्रा, स्मरण शक्ति कमजोर हो जाती अत~ हमें तेज ध्वनि से बचना चाहिए।

# 'आई लव मोहम्मद' के नाम पर देश में दहशत का माहौल

संजय सक्सेना

देश में इन दिनों जिस तरह से कुछ योजनाबद्ध तरीके से खतरनाक स्लोगनों के सहारे समाज में जहर घोला जा रहा है, उसने संपूर्ण राष्ट्र को चिंता में डाल दिया है। आई लव मोहम्मद जैसे दिखने वाले मासूम से प्रतीत होने वाले नारे जब राजनीतिक-धार्मिक मकसद से फैलाए जाते हैं और उसके सहारे हिंसक व उन्मादी समूह यह संदेश देने लगते हैं कि यदि किसी ने उनके विचारों या धार्मिक प्रतीकों का अपमान किया तो उसके लिए केवल एक ही सजा है 'सिर तन से जुदा', तब यह मुहिम सिर्फ धार्मिक भावनाओं के प्रदर्शन तक सीमित नहीं रह जाती, बल्कि राष्ट्र की कानून-व्यवस्था, सामाजिक एकता और शांति के लिए गहरी चुनौती बन जाती है। देश के विभिन्न हिस्सों में इस तरह के उत्तेजक नारों और खतरनाक स्लोगनों की बाढ़ ने हालात को इतना बिगाड़ दिया है कि हर जगह तनाव और टकराव का वातावरण बन रहा है। यह केवल नारे या दीवारों पर लिखी बात नहीं है, बल्कि सुनियोजित तरीके से अराजकता और भय का माहौल तैयार करने की साजिश है।

यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ अतिवादी तत्व इस मुहिम का उपयोग समाज को बांटने और हिंसा भड़काने के लिए कर रहे हैं। जब भी खुली सड़क पर या साइबर माध्यमों में ऐसे नारे लगते हैं, तो वह अविश्वास और डर का वातावरण बनाते हैं। लोग सोचने लगते हैं कि देश की कानून-व्यवस्था इतनी कमजोर हो गई है कि कोई भी समूह किसी भी समय खुलेआम कानून को धता बताकर हिंसा का संदेश फैला सकता है और शासन-प्रशासन बेबस बना हुआ है। यह परिस्थिति न सिर्फ राज्य की सुरक्षा एजेंसियों का मनोबल तोड़ती है, बल्कि आम नागरिक को भी यह अनुभव कराती है कि उसकी सुरक्षा और सम्मान खतरे में है। स्थितियों को और गंभीर बनाने वाला पक्ष यह है कि इन अराजक तत्वों को सीधे तौर पर कुछ ऐसे राजनीतिक दलों और नेताओं का संरक्षण प्राप्त है, जो तुष्टिकरण की राजनीति में विश्वास रखते हैं। उन्हें यह लगता है कि इस तरह के उग्र नारों और असामाजिक कार्यों को संरक्षण देकर वे किसी विशेष वर्ग का वोट बैंक हमेशा अपने साथ बनाए रखेंगे। यह बेहद शर्मनाक दृश्य है जब राष्ट्रविरोधी और अशांतिपूर्ण गतिविधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलता है। इससे न सिर्फ लोकतंत्र कमजोर होता है, बल्कि संविधान और कानून की गरिमा पर भी दुर्भावनापूर्ण चोट पहुंचती है।

ऐसे हालात में सबसे पहली चुनौती कानून-व्यवस्था पर पड़ती है। पुलिस और प्रशासन को हर उस समूह और व्यक्ति की पहचान करनी चाहिए जो इस तरह के खतरनाक स्लोगन लिखने, चिपकाने या फैलाने में शामिल हैं। नियमों का खुला उल्लंघन करते हुए जब कोई खुलेआम 'गुस्ताख-ए-रसूल की एक ही सजा, सिर तन से जुदा' जैसे हिंसक नारे देता है, तो यह सीधे-सीधे देश की शांति और व्यवस्था के खिलाफ युद्ध जैसी घोषणा होती है। इसे किसी भी परिस्थिति में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार के तहत उचित नहीं ठहराया जा सकता। इसलिए यह आवश्यक है कि ऐसे कृत्यों पर कठोरतम प्रावधानों के तहत तुरंत कार्रवाई हो। कानूनी दृष्टि से देखा जाए तो यह न केवल समाज में वैमनस्य फैलाने का अपराध है, बल्कि देश की अखंडता और आपसी सौहार्द पर सीधा प्रहार है। ऐसे में सिर्फ दिखावटी गिरफ्तारी या हल्की-फुल्की कार्रवाई से काम नहीं चलेगा। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को इन तत्वों के नेटवर्क को तोड़ना होगा, यह देखना होगा कि इनके पीछे किसकी वित्तीय व राजनीतिक मदद है और कौन इन्हें संरक्षण प्रदान कर रहा है। जब तक इस पूरे खेल को उजागर कर दोषियों को सख्त सजा नहीं दी जाती, तब तक यह मुहिम रुकने वाली नहीं है।ऐक्टिववियर

यह भी जरूरी है कि इन आंदोलनों व नारों में शामिल लोगों को उदाहरणात्मक दंड मिले ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति या समूह इस तरह की दुस्साहसिक हरकत करने का साहस न कर सके। देश में पहले भी कई बार देखा गया है कि जब सख्त कार्रवाई होती है तो अराजक तत्वों का हौसला टूटता है और वह पीछे हट जाते हैं। लेकिन जब ढिलाई बरती जाती है या राजनीतिक दबाव में मामलों को रफा-दफा कर दिया जाता है, तो यह तत्व और ज्यादा ताकतवर होकर उभर आते हैं। इसलिए इस समय की मांग है कि सरकार और न्यायपालिका दोनों मिलकर ऐसे कठोर फैसले लें जो आने वाली पीढ़ियों के लिए उदाहरण बनें।

# जिला उद्योग व्यापार मंडल ने माँगा मृतक व्यापारी परिवार को न्याय

## डीएम को ज्ञापन सौंपकर की कार्यवाही की माँग

ललितपुर। डीएम को ज्ञापन देने कलैक्ट्रेट आये व्यापारी नेता।

**ललितपुर।** विगत दिवस एक व्यापारी पुत्र के पुलिसिया उत्पीड़न से आहत होकर एक व्यापारी ने टीकमगढ़ के एक होटल में फाँसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। उसके मन की व्यथा उसके सुसाईड नोट से जाहिर हुयी है। इस घटना से आहत व्यापारियों ने न्याय की माँग करते हुये एक ज्ञापन जिलाधिकारी अमनदीप डुली को सौपा।
सैकड़ों व्यापारियों और आमजन के साथ जिलास उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने सौंपे गये ज्ञापन में बताया कि हालिया 15-16 सितंबर के दरमियान एक छोटी सी दुकान संचालक शिवम राठौर व उसके पिता लक्ष्मी नारायण राठौर के साथ ललितपुर पुलिस द्वारा अमानवीय व्यवहार कर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया और शिवम को जेल भेज दिया गया। शिवम के आहत पिता ने परेशान होकर आत्मदाह कर ली। अंतिम संस्कार के लिये शिवम को पेरौल दिलाने आम जनता ने आँदोलन किया। जिनमें से 153 पर भी मुकदमा लिखा गया है। व्यापार मंडल की माँग की कि घटना की सीबीआई से सही जाँच कराई जाए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाए। माँग की कि पीड़ित परिवार को 50 लख रुपए का मुआवजा दिया जाए। जेल में निरुद्ध शिवम की धाराओं में कमी करके उसे शीघ्र जेल से बाहर किया जाए, जिससे पीड़ित को न्याय मिल सके। ज्ञापन देने समय मुख्य रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष पंडित मनीष सडैया, जिला अध्यक्ष सुरेश बड़ेरा, जिला महामंत्री शैलेंद्र सिंघई, गल्ला मंडी अध्यक्ष प्रदेश उपाध्यक्ष जयकुमार महोली, उद्योग मंच प्रदेश उपाध्यक्ष कमलेश सराफ, प्रदेश मंत्री अजित खजुरिया, प्रदेश मंत्री संतोष इमलिया, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष बॉबी राजा नाराहट, सुधांशु शेखर हुंडेत, जिला वरिष्ट उपाध्यक्ष रवीन्द्र दिवाकर, जिला कोषाध्यक्ष सिद्धेश्वर जमोरया, जिला संयुक्त महामंत्री अभिषेक अनोरा, जिला उपाध्यक्ष डॉ संजीव कड़ंकी, मो.इकराम, गल्ला मंडी महामंत्री जितेंद्र अनोरा, नगर अध्यक्ष पंडित नवनीत किलेदार, नगर महामंत्री समित समैया, नगर संयोजक मंगू पहलवान, जिला युवा अध्यक्ष विशाल सराफ, नगर युवा अध्यक्ष संजय जैन रिंकू, नगर युवा महामंत्री सुमित कछालिया, जिला विधि सलाहकार एडवोकेट नीरज मोदी, विजय गोना, अनिल मामा भांजा, नरेंद्र हार्डवेयर, जिला मंत्री सुबोध गोस्वामी, विजय कॉफी, विजय नेता, सुल्लन पहलवान, विनोद घी, नवीन बुड़वार, आदर्श श्रीवास्तव, आकाश गुप्ता, प्रभात लागोन, जितेंद्र सोनी, मुनमुन जैन, अनुज, रिंकू जैन, सुमेर, रवि राठौर, अरविंद राठौड़, अमन खान, प्रमोद राठौर, आनंद राठौर, रिंकू जैन, विवेक मड़वैया, सौरभ जैन, नवीन बुड़वार, चंद्रशेखर राठौर, ललित जैन, अनिल चौधरी, बॉबी सरदार, हरविंदर सिंह सलूजा, धर्मेंद्र राठौर, संजय राठौर, दीपक राठौर, संभव सिंघई, विजय राठौड़, अशोक सोनी, रितेश राठौर, मनीष मनपसंद, आशीष अग्रवाल, सोनू राठौर, अजय राठौर, अनूप केरू, संजीव नायक, रामचरण राठौर, अमित लिंकन, पुष्पेंद्र बुंदेला, महावीर कामरा, अनिल चौधरी, अजय रस्सी, राजू ऐरा, राजकुमार साहू, आसाराम राठौर, अशोक राठौर, शैलेंद्र जैन, मनोज जैन, दीपक राठौड़, देवकी सेन, योगेंद्र यादव, अरविंद गुप्ता, भगवानदास , चिंटू शिवाजी, नयन जैन, जगदीश कुशवाहा, जफर खान, मनोज जैन, अनिल सांवलिया, पंकज टड़ैया, संजय राठौर, देवदत्त राठौर, केशव साहू, डब्बू मालवीय, दशरथ कुशवाहा, धन्य कुमार, डैनी जैन आदि मौजूद रहे।

# स्वच्छता ही सेवा पर्व : घाटों और नदी तटों की सफाई होगी

## जिला गंगा समिति की मासिक समीक्षा बैठक संपन्न

ललितपुर। बैठक के दौरान समिति अधिकारियों से वार्ता करते डीएम।

**ललितपुर।** जिला गंगा समिति की मासिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी अमनदीप डुली ने परियोजना निदेशक, राज्य स्वच्छ गंगा मिशन के पत्र को लेकर बताया कि स्वच्छता ही सेवा अभियान का आयोजन 2 चरणों में 31 अक्टूबर 2025 तक कराया जायेगा। प्रथमतः स्वच्छता ही सेवा पखबाड़ा में 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2025 तक और द्वितीय चरण में विशेष अभियान 2 से 31 अक्टूबर तक आयोजित कराया जाना है। यह अभियान घाटों और नदी तटो के पास स्वच्छता अभियान चलाने पर केंद्रित होगा। जनपद में पुनरोद्धार हेतु चयनित मडावरा ब्लाक में बंडई नदी की कार्ययोजना तैयार करने हेतु सभी कार्यदायी विभागों को स्थलीय निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि परमार्थ सेवा संस्थान के सहयोग से तालबेहट में मानसरोवर तालाब किनारे व्यापक सफाई अभियान चलाया जायेगा। स्थानीय संस्थान के सहयोग से ब्लाक मडावरा में नदियों के पुनर्जीवन एवं जल संरक्षण हेतु जन चौपाल का आयोजन अक्टूबर माह में किया जायेगा। बैठक में सीडीओ, पीडब्ल्युडी एक्सईएन, डीपीआरओ, जल संस्थान एक्सईएन, डीआईओएस, बीएसए, सिंचाई विभाग, चिकित्सक के अलावा गंगा समिति के परियोजना अधिकारी केतन दुबे शामिल रहे।

# '...जिस मिट्टी को छू लेंगे ये उसको सोना कर देंगे'

## पितृ विसर्जन अमावस्या पर चंडीधाम में हुआ शानदार कवि सम्मेलन

ललितपुर। श्रीचंडी पीठाधीश्वर के साथ कवि और अतिथि।

**ललितपुर।** बीती रात श्री चंडीधाम के सभागार में अनंतश्री विभूषित महामंडलेश्वर चंद्रेश्वर गिरी महाराज के पावन सानिध्य में शानदार कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। आयोजन की अध्यक्षता डॉ.राजकुमार जैन ने की उन्होंने सभी संतों का आशीर्वाद लिया। अतिथियों में जिला शासकीय अधिवक्ता राजेश दुबे, बुंदेलखंड विकास सेना के कैप्टन हरीश कपूर टीटू, लायंस क्लब बुंदेलखंड यूनाइटेड के अध्यक्ष हेमंत जैन रौंड़ा, वरिष्ठ पत्रकार रवीन्द्र दिवाकर, श्रीरामलीला हनुमान जयंती महोत्सव समिति के अध्यक्ष बृजेश चतुर्वेदी, इलेक्ट्रॉनिक/प्रिंट मीडिया से कृष्णकांत सोनी, सुरेंद्र जी शामिल रहे। संचालन संस्कार भारती के अध्यक्ष बृजमोहन संज्ञा ने किया।
कार्यक्रम का शुभारंभ चंडी पीठाधीश्वर चंद्रेश्वर गिरी महाराज के साथ अतिथियों ने माँ चंडी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। माँ सरस्ती की वंदना विख्यात कवि अखिलेश शाँडिल्य ने प्रस्तुत की। उपस्थित कवियों ने अपनी बेहतरीन रचनाएं प्रस्तुत कर देर रात तक मंगल भवन को जागृत रखा और तालियों की गड़गड़ाहट के बीच वाहवाही बटोरी। पं.शील चंद्र शास्त्री ने सुनाया 'माई-बाप पै राखिओ, बैन तनक विश्वास, बूढ़ी आँखें कुन चीन्ह पें, गतरा-गतरा लाश।' आशुकवि रवीन्द्र दिवाकर ने सुनाया 'नगर ललितपुर इक जगह बनते सगरे काम, जय जय श्री चंद्रेश गिरि-जय जय चंडी धाम।' कवि बालमुकुन्द सोनी ने अपने पूर्वजों को विदा करने के दृश्य का मार्मिक वर्णन किया। प्रख्यात मंच आयोजक कवि वीरेंद्र विद्रोही ने सुनाया 'मिले आशीष यदि गुरु का, तो बेड़ा पार हो जाए। नारी शक्ति कवियत्री मंजू कटारे ने प्रभु की वंदना इस तरह की 'साधना हो तुम्ही और तुम्ही साध्य हो, मैं यहाँ बाध्य हूँ तुम वहाँ बाध्य हो।' कवि केके पाठक ने देवी भजन सुनाया 'जप लो मैया मैया.. मैं सांसी कहों।' हास्य कवि महेश नामदेव ने करुण सर में सुनाया 'माता भी लगने लगी अब बेटों को भार, कैसी कैसी आ गई रिश्तों बीच दरार।' सीनियर कवि सुदेश सोनी ने बुन्देली रचनाओं से समा बाँध दिया। यह भी सुनाया 'चाहते तुम तो बनाते विष को अमृत, बात इतनी है कि पीना नहीं आया तुमको।' अखिलेश शांडिल्य ने पढ़ा 'कोयलों के स्वर दबाये जा रहे हैं, तोतले पंचम स्वरों में गा रहे हैं, लक्ष्य उगते सूरज को था अर्घ देना, सिर मगर पश्चिम में झुकते जा रहे हैं।' राष्ट्रीय कवि पंकज अंगार ने अपने अंदाज में सुनाया 'हरा भरा खुशहाल धरा का हर इक कोना कर देंगे, प्यार के रंग भरेंगे जग का रूप सलोना कर देंगे, भारत माता तेरे बेटे ऐसे पारस पत्थर हैं, जिस मिट्टी को छू लेंगे ये उसको सोना कर देंगे।'कवि रमेश पाठक रवीन्द्र ने काव्य सुनाया 'बुरा कर्म करोगे बुरा फल मिलेगा, ईश्वर की नजर में न्याय से कोई ना बचेगा।' कवि पुरुषोत्तम नारायण पस्तोर ने सुनाया 'हम बुन्देली को झंडा गाड़ें, बुंदेलखंड के वीर दहाड़ें।' नवोदित कवियत्री आयुषी पाठक ने सुनाया 'जिम्मेदारियों का बोझ परिवार पर पड़ा, तो ऑटो रिक्शा ट्रेन को चलाने लगी बेटियाँ।' आयोजन के दौरान महाराज श्रीचंद्रेश्वर गिरी, बुंदेलखंड यूनाइटेड के अध्यक्ष हेमंत जैन रोड़ा एवं उपस्थित अतिथियों के द्वारा सभी प्रतिभागी कवियों को सम्मान पत्रिका, पटका, पेन व स्मृति चंद्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इस दौरान हीरानंदानी महाराज, राजू जांगिड़, ज्ञानदास के साथ इंजीनियर संदीप तिवारी, सर्वेश श्रीवास्तव, चंद्रप्रकाश त्रिपाठी, आनंद मोहन दुबे, एडवोकेट लखनलाल यादव, कुमारी वर्षा मिश्रा, राजराजेश्वरी माँ के अलावा भारी संख्या में श्रद्धालु भक्तजन उपस्थित रहे। आभार हेमंत जैन रौंड़ा ने जताया।

# गोलालारीय जैन समाज का क्षमावाणी सम्पन्न

## भजन व मेंहदी प्रतियोगिताऐं भी हुयीं

ललितपुर। मंचासीन अतिथि महिलाएं व मौजूद समाज श्रेष्ठी।

**ललितपुर।** श्रीदिगम्बर जैन गोलालारीय समाज रजिष्टर्ड का क्षमावाणी आयोजन संस्था कार्यालय पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ सम्पन्न हुआ। जिसकी अध्यक्षता दिनेश मिठया जखौरा वालों ने की। मुख्य अतिथि जैन पंचायत से डा.अक्षय टडैया ने भगवान आदिनाथ के चित्र का अनावरण कर शुभारंभ किया। चित्र सम्मुख दीप प्रज्वलन नौहरकलां परिवार के अलावा आलोक जैन ने किया। महिला शक्ति द्वारा भजन प्रतियोगिता व मेंहदी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें माही, शिम्पी तथा शिल्पी ने मेंहदी प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। भजन प्रतियोगिता में आरुषि, जयश्री व महिमा ने प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में भागलेने वाले सभी प्रतियोगियों को पुरूषकार गणमान्य समाज श्रेष्ठियों द्वारा किया गया। वक्ताओं ने कहा कि प्राणी मात्र से क्षमा की कामना की। संस्था की महिला इकाई का गठन किया गया, जिसमें नम्रता जैन अध्यक्ष, जयश्री जैन महामंत्री, साधना जैन उपाध्यक्ष व पुष्पा जैन सहमंत्री को सहमति निर्वाचित घोषित किया गया है। समिति संयोजक सनत जैन, शिक्षामंत्री द्वय प्रफुल्ल कुमार व संदीप जैन, महेन्द्र सिंघई पूर्व पार्षद, पत्रकार अनन्त सर्राफ, राहुल कलरैया, सुनील गुन्देरा, शैलेष जैन पिंटू एवं अंकित जैन एडवोकेट, संदेश जैन एड., जिनेन्द्र डिस्को, संजीव जैन ममता स्पोर्ट, बडामंदिर प्रबंधकद्वय आनन्द भागनगर, अजित सिंघई, संरक्षक भूपेन्द्र जैन, प्रकाशचन्द्र जैन एड., काशीराम बिलउवा, रविन्द्र मोदी, अजय साईकिल, डा.सुनील जमादार, डा.अनिल जैन, डा.प्रतीक जैन, डा.अंकित जैन, डा.संतोष जैन, दिलीप जैन, जिनेन्द्र बिरधा, संजय पवैया, कुलदीप नौहरकलां, अनिल बचत सेवा आदि ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। मुन्नालाल जैन ने आभार जताया। संचालन महामंत्री राकेश जैन डब्लू ने किया।

# निर्वाचक नामावलियों में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण होगा

## जिला निर्वाचन अधिकारी ने बैठक में दिये निर्देश

ललितपुर। अधिकारियों से निर्वाचन सम्बन्धित वार्ता करते डीएम।

**ललितपुर।** जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी अमनदीप डुली ने सोमवार को भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली के निर्देशानुसार निर्वाचक नामावलियों के आगामी विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 (एसआईआर) से सम्बंधित जनपद स्तर पर समस्त निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सोशल मीडिया प्रभारी, स्वीप नोडल प्रभारी के साथ कलैक्ट्रेट सभागार में बैठक की।
डीएम ने एसडीएम को निर्देश दिये कि जिले में निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण बीएलओ स्तर पर डाटा की लिस्टिंग पूर्ण करा ली जाए। डीआईओएस को निर्देश दिये कि मतदाता जागरुकता गतिविधियों के लिए स्वीप एस्कोर्ट बना लें। इसके साथ ही सभी इण्टर कॉलेजों के 18 वर्ष आयु पूर्ण कर चुके विद्यार्थियों की सूची उपलब्ध करायें तथा इण्टर कॉलेजों मं ईएलसी गठित कर उनके नोडल का विवरण उपलब्ध करा दें। उन्होंने सूचना अधिकारी को निर्देश दिये कि जनपद में सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखी जाए, साथ ही भ्रामक पोस्ट करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही की जाए। सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के दृष्टिगत विधानसभा क्षेत्रों में निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी की तैनाती कर दी गई है। उन्होंने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण-2003 में जनपद में 604050 मतदाता थे, परन्तु आज दिनांक तक जनपद में कुल 958096 मतदाता हैं। बीएलओ स्तर पर डाटा लिस्टिंग का कार्य कराया जा रहा है। एडीएम नमामि गंगे, एसडीएम सदर व महरौनी, डीआईओएस, डीआईओ, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी, जिला बचत अधिकारी, तहसीलदार मड़ावरा आदि उपस्थित रहे।

# व्यापारी को न्याय न मिला तो होगा जन आंदोलन

## व्यापार मंडल ने 153 लोगों पर लिखे मुकदमे की वापसी की माँग की

ललितपुर। एसपी को ज्ञापन सौंपते व्यापारी नेता।

**ललितपुर।** व्यापारी शिवम राठौर आत्महत्या प्रकरण में उच्च स्तरीय निष्पक्ष जाँच कर न्याय दिलाये जाने एवं लक्ष्मीनारायण राठौर द्वारा आत्महत्या करने के उपरांत उत्पन्न हुए जन आक्रोश की घटना में पुलिस द्वारा गंभीर धराओं में दर्ज किये गये मुकद्दमें को समाप्त कराये जाने की मांग करते हुये व्यापार मण्डल ने जिलाध्यक्ष प्रदीप त्रिपाठी व प्रदेश चेयरमेन महेन्द्र जैन मयूर के संयुक्त नेतृत्व में एक ज्ञापन मुख्यमंत्री को संबोधित करते हुये डीएम-एसपी को सौंपा। व्यापारी नेताओं ने बताया कि बजाज फाइनेन्स कम्पनी में करोड़ों रूपये के फ्रॉड, धोखाधड़ी के मामले में कोतवाली पुलिस द्वारा अनेकों लोगों के विरूद्ध कार्यवाही की गई है। आरोप है कि कोतवाली के वगल में मुहर बनाने वाले व्यापारी शिवम राठौर पुत्र लक्ष्मीनारायण राठौर को फर्जी मुहरें बनाये जाने के मामले में गलत तरीके से अभियुक्त बनाकर जेल भेजा गया था, जिससे क्षुब्ध होकर शिवम के पिता लक्ष्मीनारायण राठौर द्वारा टीकमगढ़ के एक होटल में फांसी लगाकर आत्महत्या की। जिसके उपरांत नाराजगी जताने वाले 153 लोगों पर भी मुकदमा किया गया है। प्रदर्शन करने वालो के विरूद्ध मुकदमा दर्ज करना दमनकारी नीति है। जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता है। व्यापारियों ने मुख्यमंत्री से शिवम राठौर प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच कराने, पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने लखाये गये मुकदमों को समाप्त कराये जाने की मांग की। अन्यथा की स्थिति में आंदोलन करने की चेतावनी दी। इस दौरान महेश जैन मौनू, अनिल जैन बबड़ी, एड.अभय जैन, अशोक अनौरा, पंकज बिरधा, पूर्व पार्षद अनुराग जैन शैलू, सराफा एसोशियेशन अध्यक्ष मज्जू सोनी, राहुल मोदी, अनिल अंचल, राजीव सुडेले, संजीव कप्तान, पार्षद आलोक मयूर, निखलेश राजपूत, रोहित शिवजी, शुभांकर सुडेले, निमेष जैन पोचू, शुभम जैन पिंटू, अविरल जैन टीवीएस, देशराज पटेल, अनुज जैन, अजय साहू, नीतेष राठौर, अंकित सतभैया जिलाध्यक्ष आईटी सेल, रामप्रकाश साहू, जयनारायण, राजीव पटवारी, निर्मल नामदेव, मुकेश परिवार, अशोक राठौर, अशोक, मनीष जैन, इशांत राठौर, उदयभान सिंह यादव, सुनील कामरा, सुमत जैन, संजय जैन, विनोद जैन, अमित विष्वारी, अरविन्द, भूपेन्द्र सिंह राठौर, भगवत राठौर, राजीव जैन, उदित जैन, वासु जैन, रिक्की पटना, अरविन्द बरौदा, प्रसन्न कुमार आदि सैकड़ों व्यापारी मौजूद रहे।

# व्यापारी की अंत्येष्टि में शामिल लोगों पर दर्ज मुकदमें वापिस हों : नेपाल सिंह

## सपा जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों ने एसपी को सौंपा ज्ञापन

**ललितपुर।** हाल ही में व्यापारी लक्ष्मीनारायण राठौर की मौत के मामले में पुलिस द्वारा अन्त्येष्टि में शामिल हुए 153 लोगों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज की गई है। जिसके विरोध में समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष की अगुवाई में पदाधिकारियों ने पुलिस अधीक्षक मोहम्मद मुश्ताक को ज्ञापन सौंपकर पीडित परिवार को न्याय दिलाए जाने व 153 लोगों पर दर्ज मुकदमे वापिस कराए जाने की माँग की है। पुलिस अधीक्षक को सौंपे ज्ञापन में सपा जिलाध्यक्ष नेपाल सिंह यादव ने बताया कि विगत दिनों एक मामले में लक्ष्मीनारायण राठौर के बड़े पुत्र पर पुलिस ने कार्रवाई कर उसे जेल भेज दिया था। इससे मानसिक तनाव में आकर पिता ने टीकमगढ़ स्थित एक हॉटल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। हिन्दू संस्कृति के अनुसार पिता को बड़ा पुत्र ही मुखाग्नि देता है। इस मांग को लेकर पीडित परिवार लगातार प्रशासन से मांग कर रहा था। जो मांग न्यायोचित थी। जब मृतक व्यापारी का बड़ा पुत्र दो घंटे की पैरोल पर अंतिम संस्कार करने आयाए तो सपा पदाधिकारी सहित अन्य लोग मृतक व्यापारी लक्ष्मीनारायण के अंतिम संस्कार में शामिल हुएए जिसके बाद पुलिस ने अंतिम संस्कार में पहुंचे लोगों पर मामला दर्ज कर दिया। सपा जिलाध्यक्ष ने पुलिस अधीक्षक से मामल की जांच कराते हुए अंतिम संस्कार में पहुंचे लोगों पर दर्ज किए गए सभी मुकदमे वापिस लिए जाने की मांग की है। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष ज्योति सिंह लोधी, जिला उपाध्यक्ष मो.अनवर खान, जिला उपाध्यक्ष भजनलाल कुशवाहा, वरिष्ठ सपा नेता गिरधारी यादव, रामदास श्रोतीय, नगराध्यक्ष अभि खजुरिया, कोषाध्यक्ष रोहित राठौर, पिछड़ा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष नरेन्द्र सिंह राजपूत, हरीसिंह यादव जिजयावन, सुखदयाल अहिरवार, शहरोज खान, रवि खटीक, शाहिद अली, अमन मंसूरी, एडवाकेट भूपेन्द्र सोनी सहित अनेक सपाई मौजूद रहे।

# मिशन शक्ति कार्यक्रम का हुआ आयोजन

चित्रकूट। बैठक मे बोलती अधिकारी ।

**चित्रकूट।** जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन व मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर के आदेशानुसार एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी प्रगति गुप्ता की देखरेख में 22 सितम्बर को मिशन शक्ति फेज 5 के अन्तर्गत महिला संगोष्ठी का आयोजन सभी ब्लाकों में किया गया। ग्राम पंचायत रगौली (मुस्तकिल) ब्लाक रामनगर में खण्ड विकास अधिकारी हरिओम गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित हुई जिसमें गांव की सैकड़ों महिलाओं सहित बेटियों एवं पुरुषों ने प्रतिभाग किया। महिला संगोष्ठी को संबोधित करते हुए खण्ड विकास अधिकारी हरिओम गुप्ता ने महिलाओं को सशक्त होने, बेटियों को स्कूल भेजने के लिए प्रेरित होने को प्रोत्साहित किया। बाल संरक्षण अधिकारी डां सौरभ सिंह द्वारा महिला कल्याण विभाग की योजनाओं से लाभान्वित होने के लिए योजनाओं की जानकारी दी। महिला संगोष्ठी में ग्राम प्रधान विजय कुमार, एडिओ आईएसबी जीवनलाल, प्रधानाध्यापक सोना कुमारी, एडिओ पंचायत अनुराग पाण्डेय, एडीओ समाज कल्याण दिनेश सिंह, सचिव करुणा पाण्डेय, एएनएम विनीता, नीति आयोग समन्वयक पूजा यादव, आंगनबाड़ी, कमलेश कुमार स्वस्थ नारी सशक्त परिवार पर सम्बोधित किया। बाल संरक्षण अधिकारी डॉ सौरभ सिंह द्वारा मिशन शक्ति 05 को सफल बनाने माताओं बहनों का सम्मान करने की आवश्यकता पर बल दिया गया।

## मिशन शक्ति अभियान का विधायक ने किया शुभारंभ

**चित्रकूट। मिशन शक्ति अभियान का फीता काटकर शुभारंभ करते विधायक अविनाश चन्द्र द्विवेदी, जिपंअ अशोक जाटव, डीसीबी चेयरमैन पंकज अग्रवाल व एसपी ।**

**चित्रकूट।** मिशन शक्ति-5.0 महिलाओं की सुरक्षा व स्वावलंबन की नई पहल पर महिला सुरक्षा बल की बाइक रैली मिशन शक्ति अभियान-5 के शुभ अवसर पर विधायक मऊ/मानिकपुर अविनाश चन्द्र द्विवेदी एवं पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह द्वारा जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव, जिलाध्यक्ष भाजपा महेन्द्र कोटार्य, अध्यक्ष जिला कॉआपरेटिव बैंक बांदा पंकज अग्रवाल ने कोतवाली कर्वी से बाइक रैली को हरी झण्डी दिखाकर जागरूकता के लिये रवाना किया।

# मिशन शक्ति के तहत पुलिस ने छात्राओं को बताए सुरक्षा के उपाय

**गुरसराय।** खेर इंटर कॉलेज बालिका विभाग गुरसराय में छात्राओं को मिशन शक्ति के तहत पुलिस द्वारा जागरूक किया गया।

खैर इंटर कॉलेज बालिका विभाग में प्रधानाचार्य धन प्रकाश तिवारी की अध्यक्षता में उप निरीक्षक महेंद्र सिंह भदौरिया ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि निडर होकर पढ़ाई करें।कहीं कोई दिक्कत आती है 112 आपात कालीन सेवा,1090 बूम न पावर लाइन,1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन,1098 चाइल्ड लाईन,102 स्वास्थ्य केंद्र,108 एम्बुलेंस एव101 फायर बिग्रेड सेवा पर फोन करें।पुलिस तुरंत आपकी मदद के लिए तैयार रहेगी।उन्होंने छात्राओं को विद्यालय ड्रेस में ही विद्यालय आने को कहा।

कार्यक्रम में महिला कांस्टेबल प्रतिमा पटेल एवं कांस्टेबल हेमलता ने छात्राओं को जागरूकता के टिप्स बताये।

संचालन बालिका विभाग के प्रभारी कैलाश प्रकाश गुप्ता ने किया।

आभार प्रवक्ता राजेश चंद्र ने व्यक्त किया।

इस मौके पर प्रवक्ता डॉ विवेक मुद्गल,उपमा सिंह,राजेश चंद्र,प्रदीप कुमार स्वर्णकार,राजेन्द्र प्रसाद,अर्चना मोदी,सुनील कुमार व्यास,अध्यापक राज बहादुर सिंह,सरजू शरण पाठक,अशोक कुमार आर्या,अमित प्रताप सिंह भदौरिया, रामसेवक गौतम,संजय दोन्दे रिया,राकेश कुमार व्यास,सुरभि पटेल, सौरभ कुमार अग्रवाल, वर्षा विश्वकर्मा, कौशलेश मिश्रा बाबूजी आदि उपस्थित रहे।

## न्यूज ब्रीफ

### प्राधिकरण सचिव ने राजकीय सम्प्रेक्षण गृह का किया निरीक्षण

**चित्रकूट।** जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव वर्णिका शुक्ला ने राजकीय सम्प्रेक्षण गृह किशोर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार बाल सुधार गृहों में आवासित बच्चों के मध्य कला, क्राफ्ट, संगीत, नृत्य तथा थिएटर आदि से सम्बन्धित जानकारी प्रदान करने को लेकर अधीक्षक तथा काउन्सलर व शिक्षकों को निर्देशित किया। आवासित बाल अपचारियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं के बारे में बातचीत की गयी उनको नि:शुल्क अधिवक्ता के सम्बन्ध में अवगत कराया गया और किसी बाल अपचारी के पास अधिवक्ता उपलब्ध न हो तो जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से अपने वाद की पैरवी नि:शुल्क अधिवक्ता प्राप्त कर सकता है। जिसमें एक बाल अपचारी जनपद महोबा, एक बाल अपचारी जनपद छतरपुर, एक बाल अपचारी जनपद बांदा द्वारा नि:शुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराये जाने के लिये प्रार्थना दिया। इस अवसर पर बीर सिंह संस्था प्रभारी, राजकीय सम्प्रेक्षण गृह, दीपक कुमार काउन्सलर आदि उपस्थित रहे।

### निर्वाचक नामवलियो का प्रकाशन 15 अक्टूबर को

**चित्रकूट।** जिला निर्वाचन अधिकारी शिवशरणप्पा जी एन ने उप जिलाधिकारियों व तहसीलदारों से कहा है कि अर्हता तिथि 1 नवंबर के आधार पर विधान परिषद के खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावलियों पुनरीक्षण कार्यक्रम मे समाचार पत्रों में नोटिस का प्रथम पुर्न प्रकाशन 15 अक्टूबर बुधवार, नोटिस का द्वितीय पुर्न प्रकाशन 25 अक्टूबर शनिवार, फार्म-18 में आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि जैसी स्थिति हो 6 नवंबर 2025 दिन गुरुवार, वह तिथि जिस तक पांडुलिपियों की तैयारी और आलेख्य निर्वाचक नमावलियों का मुद्रण किया जाना है 20 नवंबर 2025 दिन गुरुवार, निर्वाचन नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन 25 नवंबर मंगलवार, दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अवधि 25 नवंबर मंगलवार से 10 दिसंबर बुधवार तक वह तिथि जिस तक दावे और आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा।

### तीन वारंटी दबोचे

**चित्रकूट।** कोतवाली कर्वी उनि कौशल सिंह, आरक्षी अनिकेत ने एससी/एसटी एक्ट के वांछित शनि रैकवार पुत्र श्यामलाल रैकवार, चौकी प्रभारी गनीवां यदुवीर सिंह, आरक्षी वीरेन्द्र कुमार, रामकेश कुशवाहा ने वारण्टी छोटेलाल पुत्र शंकर निवासी लदेहटा थाना राजापुर, चौकी प्रभारी हरदीकलां राधेश्याम सिंह, आरक्षी सलीम खान न वांछित रवि सिंह पुत्र स्व0 रामलाल निवासी कपसा थाना मौदहा जनपद हमीरपुर हाल पता वार्ड न0 17 नयागांव चित्रकूट को गिरफ्तार किया।

## नगर पंचायत टोडीफतेहपुर में पेंशन समाधान कैंप आयोजित हुआ

**टोड़ी फतेहपुर(झांसी)।** नगर पंचायत टोडी फतेहपुर में सेवा-निवृत्त कर्मचारियों एवं उनके वारिसजनों की समस्याओं के निस्तारण हेतु पेंशन समाधान कैंप का आयोजन राजेन्द्र कुशवाहा चेयरमैन टोडीफतेहपुर के मुख्य आतिथ्य में तथा अधिशासी अधिकारी मनोज प्रियदर्शी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

कैंप में लिपिक बाबूलाल आर्य सहित नगर पंचायत कर्मी अनिल गुप्ता, हर्ष बौहरे, दिनेश ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

इस अवसर पर सेवा-निवृत्त कर्मचारी शांति देवी, निर्मला, उर्मिला एवं रामकली की पेंशन संबंधी समस्याएँ अधिशाषी अधिकारी के समक्ष रखीं। सभी प्रकरणों को गंभीरता से सुनते हुए मौके पर ही आवश्यक कार्यवाही की गई और सभी मामलों का समाधान किया गया।

सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं उनके परिजनों ने नगर पंचायत की इस पहल की सराहना की और कहा कि ऐसे शिविरों से उन्हें सीधा लाभ मिलता है तथा समस्याओं का त्वरित निस्तारण संभव हो पाता है।

## महाराजा अग्रसेन की जयंती पर निकाली भव्य शोभायात्रा

**गुरसरांय।** अग्रवाल समाज के द्वारा महाराज अग्रसेन की 5149 वी जयंती धूमधाम से मनाई गई

नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई,जिसमें महाराजा अग्रसेन के चित्र सहित विभिन्न स्वरूपों में झाकियां सजाई गई।इसके बाद नगर के एक गार्डन में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये गए।जिसमें महाराजा अग्रसेन के जीवन पर आधारित एकांकी नाटक तथा भजनों की प्रस्तुति दी गई।

इस मौके पर नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि राजा चौहान,राम जी अग्रवाल, मुरारी सेठ,डिम्पल सेठ,कपिल सेठ,रामेश्वर दयाल अग्रवाल,मुन्नीलाल अग्रवाल,अशोक अग्रवाल,मोहनीश अग्रवाल,ब्रजेश कुमार अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, नरेन्द्र, राम चरन,अमित गर्ग,दिनसु चौधरी, यीशु अग्रवाल,कृष्ण अग्रवाल, राम प्रकाश ,राम कुमार अग्रवाल, विवेक अग्रवाल ,सौरभ अग्रवाल सहित समाज के लोग उपस्थित रहे।

## नव दुर्गा समिति कलेक्टर गंज द्वारा दुर्गे मां की प्रतिमा को विधिवत विराजमान किया

**चिरगांव (झांसी)।** नवदुर्गा समिति कलेक्टरगंज द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी नवरात्रि महोत्सव के शुभ अवसर पर 22 सितंबर दिन सोमवार को चिरगांव नगर के कलेक्टर गंज पानी की टंकी के पास मां दुर्गा की प्रतिमा का विधिवत स्थापना एवं पूजन किया गया।श्रद्धालुओं की उपस्थिति में वैदिक मंत्रोच्चार और ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच मां दुर्गा को विधि-विधान से पंडाल में विराजमान कराया गया। स्थापना के अवसर पर महिलाओं ने मंगलगीत गाए और कन्याओं ने कलश लेकर स्वागत किया।पूरे परिसर में भक्तिमय वातावरण रहा। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि नवरात्र के दौरान प्रतिदिन सुबह-शाम आरती,भजन-कीर्तन और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। श्रद्धालुओं ने माता रानी के चरणों में नारियल,फल-फूल और प्रसाद अर्पित कर सुख-समृद्धि की कामना की।इस मौके पर पुजारी आदित्य पटैरिया सतीश कुशवाहा,अमरनाथ करकोस,नवल किशोर कुशवंशी मोनू महेंद्र कुशवाहा शिवम कुशवाहा राजा सेन मिरौना,शिवम सेन,सोनू,धर्मेंद्र कुशवाहा नीतेश कुशवाहा अमित रामलखन कुशवाहा विवेक जितेंद्र कुशवाहा दीपचंद कुशवाहा चरण सेवक कुशवंशी पीयूष,अतीश कुशवाहा अंकित जितेंद्र आदि लोग मौजूद रहे।

## अनुष्ठान करने से व्यक्ति प्रखरवान बनता है : सतीश चौरसिया

**गुरसराय (झांसी)** अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वाधान में गायत्री परिवार द्वारा नवदुर्गा के शुभ अवसर पर 24,000 गायत्री महामंत्र के अनुष्ठान किये जाएंगे यह जानकारी गायत्री परिवार के संयोजक एवं श्रीराम सेवा समिति के अध्यक्ष सतीश चंद्र चौरसिया एडवोकेट ने दी उन्होंने बताया जो भी व्यक्ति नवदुर्गा के अवसर पर 24, हज़ार गायत्री मंत्र का अनुष्ठान करता है वह व्यक्ति महान बनता चला जाता है तथा वह प्रखरता से परिपूर्ण होता है व उसके परिवार में सुख शांति समृद्धि का वातावरण बनता है वही व्यक्ति समाज और देश के लिए भी कार्य करता है इसलिए उन्होने सभी से आग्रह किया कि नवदुर्गा के अवसर पर सभी को तेतीस माला रोज़ाना गायत्री महामंत्र का जाप करना चाहिए इस तरह नौ दिन में एक अनुष्ठान पूर्ण हो जाएगा इसके लिए रमेश सोनी चंद्र भान साहू लालजी ख़रे प्रमोद वर्मा रामनारायण पस्तोर बसंत मोदी देवेंद्र पटेल रामदीन पटेल आत्माराम फ़ौजी महेंद्र फौजी लालजी खरे रामकुमार कुशवाहा भगवत नगरिया सुभद्रा विश्वकर्मा अशोक अग्रवाल शकुंतला सोनी गीता देवी लक्ष्मी नारायण पटवा सहित तमाम लोग लगे हुए हैं।

## शारदा नवरात्रि की प्रथम दिन मेंन बाजार पनवाड़ी मैं मां शैलपुत्री की पूजा आराधना की

**पनवाड़ी महोबा संवाददाता राम लखन सोनी ।** शारदीय नवरात्रि के प्रथम दिन मेंन बाजार पनवाड़ी मां दुर्गा जी का पंडाल धूमधाम के साथ सजाया गया आज प्रथम दिन मां शैलपुत्री देवी की पूजा आराधना की गई पंडित श्री पीयूष कांत मिश्रा द्वारा मंत्र उच्चारण के साथ पूजा अर्चना कराई गई और मां की स्थापना कराई गई कलश स्थापना के साथ पूजा पाठ प्रारंभ किया गया आज मां शैलपुत्री की का पूजा जीवन में सफलता की उच्च स्तर पानी के लिए की जाती है मां का यह रूप साधक को साधना में लीन होने की शक्तित साहस एवं बल प्रदान करती हैं साथ ही आरोग्य का वरदान भी देता है मां रंग की वस्तुएं बहुत पसंद है इसलिए नवरात्र के पहले दिन इस स्वरूप के सामने सफेद या लाल रंग के पुष्प अर्पित कर लाल सिंदूर लगाते हैं गाय के दूध से बने पकवान और मिठाई का भोग लगाने से मां प्रसन्न होकर भक्ति की मनोकामनाओं को पूर्ण करती है साथ ही भक्त की दरिद्रता को दूर कर उसके घर के सभी सदस्यों को रोगमुक्त करती है।

## स्वस्थ नारी सशक्त परिवार सेवा पखवाड़ा विभागीय योजनाओं क़ो लेकर जागरूकता जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न

**महोबा संवाददाता राम लखन सोनी।** सोमवार को जिला महोबा में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार सेवा पखवाड़ा विभागीय योजनाओं क़ो लेकर जागरूकता जागरूकता कार्यक्रम बद्री सिंह इंटर कॉलेज कबरई में किया गया केंद्र प्रबंधक क्षमा द्वारा महिला कल्याण विभाग की समस्त योजनाओं वन स्टॉप सेंटर बाल सेवा योजना कन्या सुमंगला योजना निराश्रित महिलाओं पेंशन दत्तक ग्रहण इकाई, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ 1098,181 आदि समस्त हेल्प लाइन नंबरों की जानकारी दी गई साथ ही महिलाओं और बालिकाओं के साथ हो रही हिंसा के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि कैसे किसी हिंसा से हम अपने को बचाओ कर सकते है । कैसे वर्कर अर्चना द्वारा टोल फ्री नंबर 181,1090,112,1098, की जानकारी दी गई कार्यक्रम में प्रधानाध्यापक, समस्त अध्यापक गण और बालिका उपस्थिति रही।

# नगर विकास के लिए व्यापार मण्डल ने डीएम को सौंपा 10 सूत्रीय मांग पत्र

**चरखारी (महोबा) संवाददाता राम लखन सोनी।** चरखारी के रिसासतकालीन भवनों में सरकारी विभागों के निष्प्रयोज्य कब्जे' जीर्णशीर्ण सरकारी भवनों के प्रयोग किए जाने' जैसे कस्बा की प्रमुख समस्याओं को लेकर नगर उद्योग व्यापार मण्डल चरखारी ने 10 सूत्रीय मांग पत्र जिलाधिकारी महोबा को सौंपते हुए सहयोग की मांग की है। जिलाधिकारी ने व्यापारियों की मांग को संजीदगी से सुनते हुए प्रत्येक बिन्दु पर अधिकारियों से वार्ता करते हुए मांगों को पूरा किए जाने का आश्वासन दिया है।

व्यापार मण्डल की बैठक में हुए फैसले के मुताबिक व्यापार मण्डल चरखारी का एक प्रतिनिधि मण्डल सोमवार को जिलाधिकारी से मिला जहां कस्बा की विभिन्न समस्याओं लो लेकर व्यापारियों ने एक ज्ञापन सौंपा। नगर अध्यक्ष आनन्द स्वरूप दमेले के नेतृत्व में पहुंचे व्यापारी आलोक खरे' महामन्त्री रामबाबू गुप्ता' युवा अध्यक्ष रामजी सोनी' युवा अध्यक्ष गुलशेर' अनिल सोनी' रमन किशोर गोस्वामी' रमजान सौदागर प्रदीप पंसारी' मुहम्मद सरफराज' कैलाश ताम्रकार शशिकान्त शर्मा' राहुल बड़ौनिया ने जिलाधिकारी गजल भारद्वाज को ज्ञापन सौंपा है जिसमें व्यापर मण्डल अध्यक्ष ने कहा कि कस्बा में रियासकालीन आलीशन भवनों को सरकारी कार्यालय संचालन के लिए स्टेट द्वारा दान मे दिया गया था लेकिन यह कार्यालय या तो समाप्त हो गए या फिर महोबा में संचालित है जबकि उनकी बेशकीमती जमीनों पर आज भी कार्यालय अपना कब्जा जमाए बैठे हैं तथा उपयोग न होने से भवन व परिसर खण्डहर हो गए है जो कि नगर के विकास में बाधक बने हुए हैं। कमठाना' गंगा सिंह इण्टर कालेज का हास्टल' गर्ल्स कालेज की भूमि कस्बा में निष्प्रयोज्य हैं। चरखारी के हमीरपुर जनपद में होने के दौरान 1952 में सहायक निदेशक मत्स्य कार्यालय स्थापित किया गया था लेकिन विगत 2 वर्ष से जिला मुख्यालय में निवासरत अधिकारियों ने बिना शासन के निर्देश पर स्थानीय अधिकारियों से सांठगांठ बिठाते हुए महोबा में एक कमरे में चलाया जा रहा है जबकि चरखारी में विशाल भवन' आवास व परिसर मौजूद है तथा अधिकारी इसे भी खण्डहर बनाना की साजिश रच रहे हैं। कस्बा में हमीरपुर महोबा जनपद का सबसे बड़ा 25 बेड का आयुर्वेदिक चिकित्सालय के भवन निर्माण के लिए एक साल से स्थल चिन्हित है और 6 माह से भूमि स्थानान्तरण की फाइल राजस्व विभाग में डम्प है जिससे अस्पताल का निर्माण अवरूद्ध है साथ ही अस्पताल में कार्यरत चरखारी में तैनात डॉ. अशीष पाण्डेय के 2019 से चरखारी में तैनात होने बाद भी उनका सम्बद्धीकरण हमीरपुर जनपद में कर रखा है जबकि चरखारी में अस्पताल कोई डाक्टर ही नहीं है। दो जनपदों को आपस में जोड़ने वाला चरखारी राठ मार्ग पर पुल तो बना लेकिन सिंगल रोड होने से यातायात में इजाफा नहीं हो सका जिसके लिए डबल रोड कराए जाने की मांग जिलाधिकारी के समक्ष रखी जाएगी। व्यापारियों के ज्ञापन को संजीदगी लेते हुए जिलाधिकारी संबंधित विभागों के अधिकारियों से वार्ता करते हुए मांगों को पूरा किए जाने का आश्वासन दिया हैं। व्यापार अध्यक्ष श्री दमेले ने बताया कि मांगों पर जिलाधिकारी महोबा का रूख सकारात्मक रहा।

## दहेज हत्या में वांक्षिता को दबोचा

**चित्रकूट।** प्रभारी निरीक्षक मऊ दुर्गविजय सिंह के मार्गदर्शन में उनि अनिल कुमार व उनकी टीम ने दहेज हत्या के नामजद अभियुक्ता को गिरफ्तार किया।

बीते 21 अगस्त को वादिया गीता देवी पत्नी चन्द्रसेन निवासी ग्राम उमरा थाना मंझनपुर कौशाम्बी ने सूचना दी थी कि प्रार्थिया की पुत्री रेशमा को पति गया प्रसाद, सास छितिया व चचिया ससुर सन्तोष द्वारा अतिरिक्त दहेज के लिए प्रताड़ित कर हत्या कर दी गयी। नामजद अभियुक्ता छितिया पत्नी स्व0 सुन्दरलाल निवासी नौबस्ता थाना मऊ को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार करने वाली टीम मे थाना मऊ उनि अनिल कुमार, महिला आरक्षी पल्लवी, आरक्षी संदीप यादव आदि रहे।

## ग्राम पंचायत करहरा खुर्द में एफ.एन.एच.डब्लू द्वारा समूहों की महिलाओं के साथ मनाया राष्ट्रीय पोषण माह

**महोबा संवाददाता राम लखन सोनी।** ग्राम पंचायत करहरा खुर्द में ICRP FNHW किरन देवी द्वारा समूहों की महिलाओं को स्वास्थ्य, पोषण पर रंगोली, पोस्टर इत्यादि के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है जिसमें ग्राम पंचायत करहरा खुर्द की उ.प्र. राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा संचालित समूहों की महिलाओं का बढ़ चढ़ कर भागीदारी हो रही है जिससे समूहों की महिलाओं स्वास्थ्य पोषण स्वच्छता पर जोर दिया जा रहा है साथ ही साथ ग्रामीण स्तर की महिलाओं को जागरूक किया जा रहा है कि कैसे बीमारियों से बचाव किया जा सकता है साथ ही साथ ब्लाक मिशन प्रबंधक द्वारा जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय पोषण माह प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर ICRP FNHW दीदी द्वारा मनाया जा रहा है जिससे ग्रामीण स्तर की गरीब महिलाएं अपनी अपना स्वास्थ्य सही रखकर कैसे बीमारियों से बचाव कर सकती हैं और कैसे आजीविका वृद्धि की जा सकती है उसके विषय में विस्तार से बताया गया ।

# जिलाधिकारी ने मौके पर खाद / उर्वरक वितरण व्यवस्था को परखा

## जनपद में उर्वरक लक्ष्य के सापेक्ष पर्याप्त मात्रा में उपलब्धः डीएम

**झांसी जयूसं।** जिलाधिकारी मृदुल चौधरी ने औचक राजापुर बहुद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति विकास खण्ड बबीना एंव पीसीएफ का स्थलीय निरीक्षण किया, उन्होंने इस दौरान किसानों को बताया कि जनपद में उर्वरक/कीटनाशक रसायन की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। जनपद में लक्ष्य के सापेक्ष पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध है। उन्होंने किसानों को अनावश्यक रूप से स्टॉक न करने की सलाह दी।

जिलाधिकारी मृदुल चौधरी ने सोसाइटी पर उपस्थित किसानों से खाद के रेट को लेकर जानकारी प्राप्त की, उन्होंने कड़े निर्देश दिए की जनपद में ओवर रेटिंग की शिकायत पर तत्काल कार्यवाही करते हुए उर्वरक विक्रेता का लाइसेंस निरस्त किए जाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। सहकारी समिति का निरीक्षण करते हुए जिलाधिकारी ने उपलब्ध स्टॉक रजिस्टर तथा वितरण रजिस्टर का मिलान किया और निर्देश दिए कि किसी भी दशा में उर्वरक वितरण में गड़बड़ी न हो। निरीक्षण के दौरान, ज्वाइंट मैजिस्ट्रेट जी अक्षय दीपक, अपर जिलाधिकारी(वि./रा.) वरूण पाण्डेय, जिला कृषि अधिकारी कुलदीप मिश्रा एवं जिला प्रबधन्क पीसीएफ धनंजय तिवारी सहित क्षेत्र के बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

# माता काली को लेने पहुंचे हजारों भक्त

## शहर में डेढ़ किलोमीटर तक नजर आए भक्त, शोभायात्रा में लगे जय मां काली के नारे

**झांसी जयूसं।** नवरात्र के मौके पर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। पुराने शहर के खटीक मोहल्ले में लगने वाले माता काली के पंडाल में विराजने वाली मूर्ति को लेने हजारों भक्त निकले। इसके बाद सुबह माता काली की प्रतिमा लेकर भक्त जुलूस की शक्ल में पंडाल की ओर बढ़ने लगे। ऐसे में डेढ़ किलोमीटर लंबा जाम लग गया।डीजे और ढोल नगाड़ों के साथ माता काली की मूर्ति को ले जाते भक्त।माता काली की मूर्ति लेकर जाते भक्त। इलाइट चौराहा पर ऐसा था नजारा। शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के खटीक मोहल्ला (खटकयाना) में कई दशकों से जिले की सबसे ऐतिहासिक मूर्ति सजाई जाती है। ऐसे मान्यता है कि खटीक मोहल्ले की माता काली भक्तों की हर मनोकामना पूरी करती हैं। ऐसे में झांसी और आसपास के जिलों से भी लोग अपनी मन्नतें लेकर यहां आते हैं। सोमवार को सुबह कमेटी के सदस्य शिवपुरी रोड से मूर्ति लाने पहुंचे। यहां से मूर्ति लेकर हजारों भक्त डीजे और ढोल नगाड़ों के साथ सीपरी बाजार होते हुए इलाइट चौराहा पहुंचे। लगभग डेढ़ किलोमीटर लंबे इस जुलूस में एक तरफ का रास्ता पूरी तरह बंद हो गया। बाइक और पैदल जुलूस में शामिल भक्तों के स्वागत के लिए इलाइट चौराहा पर कई संगठन भी पहुंचे। अब यह मूर्ति खटकयाना में सजे पंडाल में सजाई जाएगी। वहीं, रास्ते में जिसने भी माता काली की मूर्ति को देखा वह दर्शन के लिए वहीं, ठहरा रहा।

### खटिकयाना में काली जी के आगमन पर किया भव्य स्वागत

**झाँसी जयूसं।** सोमवार को स्थानीय खटिकयाना क्षेत्र में काली जी के आगमन पर श्रद्धालुओं ने धार्मिक उल्लास के साथ स्वागत किया। इस अवसर पर संघर्ष सेवा समिति के संस्थापक डॉ. संदीप सरावगी ने पुष्पवर्षा कर मां काली का अभिवादन किया। समिति की ओर से भक्तों की सुविधा के लिए चाय व बिस्किट का निःशुल्क वितरण किया गया। इस अवसर पर डॉ. सरावगी ने कहा कि समिति का उद्देश्य समाजसेवा के साथ धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देना है। झाँसी के ऐतिहासिक खटिकयाना क्षेत्र में नवरात्र के अवसर पर विराजने वाली माँ काली श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। यहाँ की काली माता को क्षेत्रवासियों की आराध्य देवी माना जाता है। कार्यक्रम में पियूष रावत, सरदार वीर सिंह -पूर्व पार्षद, प्रदीप नगरिया -पूर्व पार्षद, दीनदयाल चौरसिया, अभिषेक साहू, कमलेश रायकवार, बंटी सोनी, सरिता सिंह, रश्मि हयारन, निशा चतुर्वेदी, चंदन खटीक, पप्पू खटीक, भाईयन गुप्ता, मुन्नालाल शर्मा, महेंद्र शर्मा, रामकुमार प्रजापति, सूरज वर्मा, राजू सेन, सुशांत गुप्ता,सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, समिति के पदाधिकारी व बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

## न्यूज ब्रीफ

### आठ अवैध वेंडर पकड़े गए

**झांसी जयूसं।** झाँसी मंडल में स्टेशनों एवं ट्रेनों में अनधिकृत वेंडरों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज वाणिज्य विभाग के खानपान निरीक्षकों द्वारा उरई रेलवे स्टेशन पर औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान गाड़ी संख्या 12143 में जाँच की गई, जिसमें 04 अनधिकृत वेंडर खाद्य सामग्री बेचते हुए पकड़े गए। वहीं, उरई स्टेशन पर 03 अनधिकृत वेंडर पाए गए। इसके अतिरिक्त ग्वालियर स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 2/3 से भी 01 अनधिकृत वेंडर पकड़ा गया।

### स्वस्थ नारी, स्वस्थ परिवार अभियान

**झांसी जयूसं।** मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कुलदीप स्वरूप मिश्रा के मार्गदर्शन तथा अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा.प्र सुनीता तिर्की (स्त्री रोग विशेषज्ञ) ने महिलाओं के लिए स्तन एवं सर्वाइकल केंसर की शीघ्र पहचान हेतु शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में महिलाओं हेतु स्त्री एवं स्तन संबंधी रोगों की शीघ्र पहचान एवं रोकथाम के उपायों के बारे में जानकारी दी गई तथा नियमित स्व्जांच, स्क्रीनिंग, ।क्क-क्क्क टीका और स्वास्थ्य जीवन शैली अपनाने की सलाह दी गयी द्व कार्यक्रम के आयोजन में डॉ. शेख सुखानी, वीना रावत एवं संतोषी द्वारा महत्वपूर्ण भूमिका निभायी गयी।

### हिंदी निबंध प्रतियोगिता में 38 कर्मचारियों ने लिया भाग

**झांसी जयूसं।** मंडल रेल प्रबंधक अनिरूद्ध कुमार के कुशल नेतृत्व तथा अपर मंडल रेल प्रबंधक (इन्फ्रा.) एवं अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी प्रेम प्रकाश शर्मा के मार्गदर्शन में झांसी मंडल पर राजभाषा पखवाड़ा–2025 का आयोजन उत्साहपूर्वक किया जा रहा है। इस पखवाड़े का उद्देश्य राजभाषा हिंदी के प्रयोग एवं प्रोत्साहन को बढ़ावा देना है। इसी श्रृंखला में मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के कार्मिक विभाग मीटिंग रूम में हिंदी निबंध, हिंदी टिप्पणी एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता दो शिफ्टों में संपन्न हुई जिसमें कुल 38 कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए अपनी हिंदी लेखन क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों ने विभिन्न विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए, जिससे न केवल हिंदी भाषा की समृद्धि एवं अभिव्यक्तिगत क्षमता उजागर हुई बल्कि कर्मचारियों में राजभाषा के प्रति उत्साह और आत्मीयता का भी परिचय मिला।

### जेल में बिताई गई अवधि की सजा

**झांसी जयूसं।** मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने तमंचा रखने के आरोप में दोषी मानते हुए नवाबाद थाना क्षेत्र के अन्ना कम्प्यूटर वाली गली में रहने वाले राज रायकवार को जेल में बिताई गई अवधि चार माह 16 दिन व पांच सौ रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। मालूम हो कि नवाबाद थाना पुलिस ने राज रायकवार को तमंचा रखने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

### तमंचा रखने पर पांच सौ रुपया जुर्माना

एसीजेएम ने तमंचा रखने के आरोप में दोषी मानते हुए टहरौली थाना क्षेत्र के मोहल्ला खास में हने वाले गोकली ढीमर को जेल में बिताई गई अवधि व पांच सौ रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। मालूम हो कि बरुआसागर थाना पुलिस ने गोकली ढीमर को तमंचा रखने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

### डांडिया नाइट्स का आयोजन आज

**झांसी जयूसं।** गहोई गौरव का डांडिया महोत्सव शुभआशीर्वाद गार्डन ग्वालियर रोड से 23 सितंबर मंगलवार को शाम 7 बजे किया जा रहा है जिसमें गहोई गौरव महिला विंग के साथ ही पुरुष सदस्य भी बढ़ चढ़ कर प्रतिभाग कर रहे हैं एवं सभी सदस्य सपरिवार पारंपरिक परिधान में उपस्थित रहेंगे एवं डांडिया नाइट्स में सामूहिक रूप से माता रानी के भजन पर डांस प्रस्तुति होगी।

# शारदीय नवरात्रि पर रेल मंडल का बड़ा तोहफा, ओरछा को मिलेगा नया उपमार्ग

## आज ओरछा में शुरू होगा नया 1500 वाहनों को रोज़ मिलेगा राहत

**झांसी जयूसं।** झांसी रेल मंडल यात्रियों और स्थानीय नागरिकों के लिए एक बड़ा तोहफा लेकर आया है। ओरछा में निर्मित नया सीमित ऊँचाई उपमार्ग (Limited Height Subway - LHS संख्या 371) 23 सितम्बर 2025 को दोपहर 2.00 बजे को शुरु कर दिया जाएगा। यह उपमार्ग शारदीय नवरात्रि के अवसर पर आमजन को समर्पित किया जा रहा है। यह उपमार्ग आम नागरिकों को बड़ी राहत देगा।

यह उपमार्ग लगभग 200 मीटर लंबा और 7 मीटर चौड़ा है। इसमें 6.0 मीटर म 2.75 मीटर के ब्रिज सेगमेंट और 28 मीटर की बैरल लंबाई बनाई गई है। करीब 5.70 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह परियोजना प्रतिदिन लगभग 1500 वाहनों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा प्रदान करेगी। इस उपमार्ग के निर्माण से दो पहिया एवं चार पहिया वाहन निर्बाध रूप आवागमन कर सकेंगे। साथ बड़े वाहनों के लिए पुराना सब वे चालू रहेगा। यह सुविधा न केवल समय की बचत करेगी बल्कि सड़क यातायात की सुरक्षा और सुगमता भी सुनिश्चित करेगी। नवरात्रि के पावन दिनों में श्रीरामराजा सरकार के दर्शन हेतु जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए भी यात्रा आसान हो जाएगी।

मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार ने कहा कि झांसी रेल मंडल क्षेत्र के विकास और यात्री सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर प्रयासरत है। ओरछा का यह नया सीमित ऊँचाई उपमार्ग स्थानीय नागरिकों की वर्षों पुरानी मांग को पूरा करता है और निश्चित रूप से क्षेत्रीय यातायात को सुगम बनाएगा। हमारा लक्ष्य है कि भविष्य में भी इसी प्रकार की परियोजनाओं के माध्यम से जनता को आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँ।

# कलाकार समाज का दर्पण, नारी शक्ति उसकी प्रेरणा: डॉ. दीप्ति सिंह

## मिशन शक्ति 5.0 के तहत ललित कला संस्थान, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में चित्रकला व रंगोली प्रतियोगिता

**झांसी जयूसू।** बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के ललित कला संस्थान में माननीय मुख्यमंत्री के निर्देशन में मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा शक्ति कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर चित्रकला और रंगोली प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता के माध्यम से नारी शक्ति के विविध पहलुओं को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया।

मुख्य अतिथि डॉ. दीप्ति सिंह - यू.पी.आर.वी.यू.ए.एल., सीएमओ पारीछा थर्मल पावर,ने कहा कि आज नारी हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि कलाकार समाज का दर्पण होता है और जब महिला और पुरुष समान भाव से आगे बढ़ते हैं, तो उनकी रचनात्मकता समाज को और सशक्त बनाती है। सहायक आचार्य डॉ. सुनीता ने महिला की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि महिला परिवार और समाज दोनों का संतुलन साधते हुए पुरुष के साथ कदम से कदम मिलाकर कार्य करती है। कार्यक्रम संयोजक एवं मिशन शक्ति-5.0 की नोडल अधिकारी डॉ. श्वेता पाण्डेय ने स्वागत भाषण में मिशन शक्ति की जानकारी दी और कहा कि मिशन शक्ति 5.0 का उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है।

इस अवसर पर गोविंद यादव, कला शिक्षक गजेंद्र सिंह, डॉ. संतोष कुमार और डॉ. दिलीप कुमार ने भी नारी सशक्तिकरण पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में डॉ. अंकिता शर्मा, डॉ. रानी शर्मा सहित संस्थान के आचार्यगण और विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। अंत में प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र और विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। आभार प्रदर्शन डॉ. अजय कुमार गुप्ता ने किया।

### मिशन शक्ति के अन्तर्गत महिला जनसुनवाई का आयोजन 24 सितम्बर को

**झाँसी जयूसं।** मुख्य विकास अधिकारी जुनैद अहमद ने बताया है कि अनुपमा सिंह लोधी, सदस्या, उ.प्र. राज्य महिला आयोग द्वारा 24 सितम्बर 2025 को पूर्वान्ह 10 बजे जनपद झाँसी में ब्लॉक / तहसील स्तर पर मिशन शक्ति के अन्तर्गत पोषण पंचायत कार्यक्रम/जन सुनवाई का आयोजन आयोग के पदाधिकारियों के नेतृत्व में कराये जाने का निर्णय लिया गया है। पोषण पंचायत कार्यक्रम/जन सुनवाई जिला प्रशासन द्वारा चयनित ब्लॉक/तहसील स्तर पर कराये जाने की संस्तुति की गयी है। उन्होंने बताया कि उक्त जन सुनवाई उ.प्र. राज्य महिला आयोग की सदस्या, अनुपमा सिंह लोधी की अध्यक्षता में 24 सितंबर को पूर्वान्ह 10 बजे स्थान विकास भवन झाँसी में आयोजित की जाएगी।

### इस्कान मंदिर में शारदीय नवरात्रि पर्व के पहले दिन दुर्गा उत्सव महासमिति ने किया गौ पूजन

**झाँसी जयूसं।** विश्व का कल्याण हो, घर - घर सुख समृद्धि रहे, यह भावना के साथ इस्कान मंदिर में दुर्गा उत्सव महासमिति ने सामूहिक रूप से गौ माता की पूजा एवं महाआरती की। गौ माता का मोहक श्रृंगार किया गया। इस अवसर पर मंदिर अध्यक्ष ब्रजभूमि दास प्रभु ने कहा कि गौ माता की पूजा व भक्ति करने से जीवन सुखमय रहता है। इस अवसर पर गोविन्द दास, दामोदर बंधु दास एवं ,दुर्गा उत्सव महासमिति के अध्यक्ष पुरुषोत्तम स्वामी, महामंत्री विनोद अवस्थी, मुकेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश त्रिपाठी, अरविंद वशिष्ठ,आशीष उपाध्याय ,डॉ. रघुवीर चौधरी, महेश सर्राफ ,मैथिली मुदगिल ,गोकुल दुबे, रोहित पांडे, मुकेश अग्रवाल, रवीश त्रिपाठी, अलोक सैंडेलिय, अजय मिश्रा ,नरेश गु?ता राजू, उदय सोनी, आलोक चतुर्वेदी, अमित चिरवारिया,पीयूष नायक, विजय पहाड़िया जयदेव शिवहरे अजय पुरवार ,संजय अग्रवाल , डॉक्टर विवेक बाजपेई, अमर सिद्ध, जगदीश बजाज, ओमप्रकाश त्रिपाठी, जयदीप खरे, विकास अवस्थी ,भूपेंद्र रायकवार आदि उपस्थित रहे। सभी का आभार शोभा यात्रा संयोजक पीयूष रावत ने किया।

# राजभाषा पखवाड़ा के अंतर्गत पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

**झाँसी जूयसं।** बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झाँसी के हिंदी विभाग द्वारा राजभाषा पखवाड़ा के अंतर्गत आज पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन बड़े उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में किया गया। इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों एवं विभागों से 70 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। विद्यार्थियों ने अपने पोस्टरों में हिंदी भाषा की महत्ता, उसकी व्यावहारिक उपयोगिता एवं सामाजिक सरोकारों को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति, रचनात्मकता और कला कौशल सराहनीय रहा। हिंदी विभाग ने इस वर्ष के राजभाषा पखवाड़े के दौरान पूर्व में कर्मचारियों के लिए निबंध प्रतियोगिता,हिंदी सुलेख प्रतियोगिता और टिप्पण लेखन प्रतियोगिता भी आयोजित की थी। इन प्रतियोगिताओं में विभाग के कर्मचारियों ने सक्रिय भागीदारी दिखाई और हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार में अपनी रचनात्मक योग्यता का प्रदर्शन किया। विभाग के अधिकारियों ने कर्मचारियों के योगदान को विशेष रूप से सराहा। माननीय कुलपति प्रो मुकेश पाण्डेय जी ने भी इस आयोजन में उपस्थित होकर उसे सराहा तथा कर्मचारियों में उत्साह भरा ।कुलसचिव राजबहादुर जी की उपस्थिति से कर्मचारियों में प्रतिस्पर्धी भाव जाग्रत हुआ । पोस्टर प्रतियोगिता के दौरान निर्णायक मंडल ने विद्यार्थियों के कार्य का मूल्यांकन विभिन्न मानकों पर किया। निर्णायकों ने विशेष रूप से विद्यार्थियों की कल्पनाशीलता एवं हिंदी भाषा को रचनात्मक माध्यम के रूप में प्रस्तुत करने की क्षमता की प्रशंसा की। हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो मुन्ना तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि च्हिंदी हमारी मातृभाषा होने के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है। इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों में हिंदी के प्रति रुचि और लगाव को बढ़ाती हैं।कार्यक्रम में हिंदी विभाग के शिक्षक एवंविद्यार्थी उपस्थित रहे। इस प्रकार की गतिविधियाँ न केवल विद्यार्थियों और कर्मचारियों की प्रतिभा को मंच प्रदान करती हैं, बल्कि उन्हें हिंदी भाषा के प्रति अधिक सजग और संवेदनशील भी बनाती हैं। इस अवसर पर डॉ श्रीहरि त्रिपाठी, डॉ बिपिन प्रसाद, अजय गुप्ता, डॉ श्वेता पाण्डेय, प्रेमलता, डॉ गरिमा , ऋचा सेंगर,आकांक्षा ,आशीष दीक्षित सहित समेत सभी शिक्षक मौजूद रहे।

# छात्र-छात्राओं को जिम्मेदार बनने के लिए किया प्रोत्साहित

**झांसी जयूसं।** शिक्षा संस्थान बुन्देलखण्ड विश्विद्यालय में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रारम्भ की गई स्वच्छता मुहिम के तहत, कुलपति की अनुमति एवं सक्रिय उपस्थिति में स्वच्छता अभियान का सफल आयोजन किया गया। कुलपति ने इस कार्यक्रम में छात्रों का उत्साहवर्धन किया। उनके प्रेरणादायी शब्दों ने सभी छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को स्वच्छता के प्रति और अधिक जागरूक एवं जिम्मेदार बनने के लिए प्रोत्साहित किया। अभियान के अंतर्गत छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह और जिम्मेदारी के साथ संस्थान परिसर की सफाई की। शिक्षा संस्थान के विभागाध्यक्ष डॉ. सुनील त्रिवेदी एवं प्रो. काव्या दुबे द्वारा स्वच्छता अभियान की टीमों को रवाना किया गया। कार्यक्रम का सफल संयोजन डॉ. सुषमा अग्रवाल, डॉ. सुनीता जैन, डॉ. अनुपम अग्रवाल, डॉ. सोनाली तिवारी, डॉ. आनंद कटारे, डॉ. अजय कुमार, डॉ. कृष्णपाल सिंह आदि द्वारा किया गया।इस कार्यक्रम में डॉ. दीप्ति सिंह, डॉ रामेन्द्र गुप्ता, डॉ. शिवांगी तिवारी, डॉ. राधा गुप्ता, डॉ. पूनम रावत, डॉ. अनिल कुमार, डॉ. प्रतिभा खरे, डॉ. शिखा खरे आदि शिक्षकों की सक्रिय भूमिका रही। इस अवसर पर धीरेंद्र सिंह यादव, डॉ. रश्मि सिंह, डॉ. भुवनेश्वर सिंह मस्तानानिया, डॉ. महेंद्र सिंह, डॉ. शैलेंद्र तिवारी, डॉ. कल्पनाथ सरोज आदि शिक्षकगण भी उपस्थित रहे।

स्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक नाथूराम कुशवाहा द्वारा जनता यूनियन प्रेस, शिव परिवार कालोनी, उन्नाव गेट बाहर झाँसी से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक - नाथूराम कुशवाहा*
फोन नं. 0510-2331158 आरएनआई नं. यूपीएचआईएन/2007/22191 समस्त विवादों का निपटारा झाँसी न्यायालय के अधीन होगा। *पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए उत्तरदायी